डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 273 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 17 जुलाई 2024 | मूल्य 2 रुपया

चंद्रपुरा में पेयजल पाईप लाईन कई जगहों से फटी

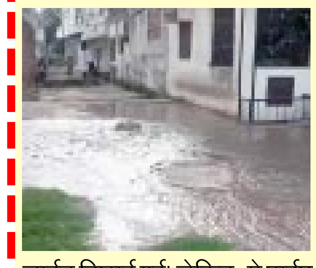

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शहर के वार्ड क्रमांक 26 चंद्रपुरा क्षेत्र में वर्तमान में नलजल योजना पर पलीता लगता दिखाई दे रहा है। इस वार्ड में पानी की टंकी बनाई गई है, जो शुरू नहीं हो सकी है। टंकी से निर्बाध रूप से पानी सप्लाय हो सके, इसके लिए पाईप लाईन बिछाई गई। लेकिन, ये पाईप लाईन जगह–जगह से फट गई है। कमजोर पाईप लाईन कहें अथवा ठेकेदार की गड़बड़ी, जिसका खामियाजा वार्ड की जनता को आगामी समय में उठाना पड़ सकता है। टंकी से पेयजल वितरित होने के पूर्व ही पाईप लाईन का इस तरह से क्षतिग्रस्त होना गंभीर लापरवाही की ओर इंगित करता है। नगर पालिका को इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है।

कोतवाली क्षेत्र में सुरक्षा पर उठ रहे सवाल, लोगों की मदद से पकड़ाई महिलाएं...

सोने की चेन चुराते तीन महिलाएं पकड़ाई, चेन सड़क पर मिली, पेंडल गायब

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर शहर में स्वीमिंग पुल के सामने मंगलवार शाम को चेन स्नेचिंग की घटना हुई। घटना में तीन महिलाओं ने योजना के तहत एक महिला के गले से बातों–बातों में चेन निकाल ली। तत्समय पीड़ित को इसकी खबर लगने पर उसने महिलाओं को घेर लिया। लोगों की भीड़ जमा होने के बाद तीनों महिलाओं को पकड़ लिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों महिलाओं को कोतवाली लाया गया। हालांकि, इस दौरान स्वीमिंग पुल के सामने ही सड़क पर पड़ी सोने की चेन मिल गई, लेकिन पेंडल गायब मिला। आरोपी तीनों महिलाएं इंदौर की रहने वाली है, और मंदसौर क्या करने आई थी इस संबंध में पुलिस की पूछताछ जारी है।

कोतवाली पुलिस के अनुसार ज्योति पति गोवर्धन चिचानी ग्राम झावल थाना अफजलपुर में रहती है। वह अपने मामा के घर मंदसौर आई थी। नेहरु बस स्टैंड पर वह उतरी और ऑटो रिक्शा में बैठी। ऑटो रिक्शा में आरोपी तीनों महिलाएं भी सवार रही। स्वीमिंग पुल के समीप एक महिला ने बातों में उलझाकर ज्योति के गले से चेन झपट ली। ज्योति ने तुरंत इस घटना को भांप लिया, जिसके बाद स्वीमिंग पुल के सामने रोड पर हो हल्ला हो गया। लोगों की काफी भीड़ वहां जमा हो गई। आरोपी महिलाओं से चेन के संबंध में पूछताछ की, लेकिन वह चोरी नहीं करना बताती रही। इस दौरान एक महिला का मंगल सूत्र उतारना पड़ा, ताकि वह चोरी की गई चेन के बारे में बता सके। बताया गया है कि आरोपी महिलाओं ने हंगामा होने पर चेन को सड़क पर ही फेंक दिया था। इस कारण बाद में चेन सड़क पर मिल गई। लेकिन, पेंडल नहीं

मिल सका। चेन को ज्योति के मामा दिनेश ने अपने हाथ में लिया और वे बाद में कोतवाली पहुंचे। कोतवाली पुलिस ने आरोपी महिला विद्या पति मोड्डू, रोशनी पति दीपक एवं मधु पति लक्ष्मण बुद्ध निवासी भीम नगर इंदौर को गिरफ्तार किया है। तीनों के खिलाफ बीजेएस की धारा 304(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर अन्य घटनाओं के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

ड्राईवर ने दिखाई ईमानदारी, चेन मिलने पर दी...

स्वीमिंग पुल के सामने ही रोड पर एक कार ड्राईवर महेश दमामी ने ईमानदारी दिखाई। उसे चेन मिलने पर चेन उठाकर उसने मौजूद पुलिस वालों को दी। यहां पीड़ित महिला के मामा भी मौजूद थे। ड्राईर महेश शहर के डॉक्टर आशीष खिमेसरा के यहां ड्राईवरी का कार्य करते हैं।

अभिनंदन में चेन झपटमारी की पतारसी बाकी...

कुछ महीने पूर्व अभिनंदन नगर में भी चेन झपटमारी की घटना हुई थी। इस मामले में कोतवाली पुलिस की पतारसी अधूरी रह गई है। आज तक न चेन मिली औन चेन झपटमारों के संदर्भ में कोतवाली पुलिस को अता–पता लगा सकी।

तथाकथित बगैर डिग्री के चिकित्सकों पर कार्रवाई के एक बार फिर निर्देश आए...

झोलाछाप डॉक्टर, कठघरे में स्वास्थ्य विभाग

नाम के आगे डॉक्टर, कर रहे उपचार, स्वास्थ्य विभाग का लगातार मिल रहा अभयदान

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला मुख्यालय सहित जिलेभर में एक दुकान के बाहर क्लीनिक लिखकर नाम के आगे डॉक्टर लिखवाकर झोलाछाप डॉक्टर उपचार कर रहे हैं। इस संबंध में कलेक्टर, शासन, स्वास्थ्य विभाग, मानवाधिकार आयोग ने कई बार कार्रवाई के निर्देश दिए। लेकिन कारवाई के नाम पर औपचारिकता ही निभाई गई। एक बार फिर शासन ने कारवाई के निर्देश दिए है। इस संबंध में कलेक्टर और सीएमएचओ को पत्र लिखा गया है। जिसमें कहा गया है कि अपने क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ अभियान शुरू करें। ऐसे सभी तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए जिनके पास कोई डिग्री डिप्लोमा नहीं है लेकिन फिर भी वह स्वयं को डॉक्टर बताते हैं।

अपने नाम के साथ डॉक्टर शब्द कौन लिख सकता है...

निर्देशित किया जाता है कि ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कारवाई की जाए। यह भी उल्लेखनीय है कि चिकित्सा शिक्षा संस्था (नियंत्रण)

अधिनियम, 1973 यथा संशोधित अधिनियम, 1975 एवं संशोधन अधिनियम, 2006 की धारा 7-ग अनुसार डॉक्टर अभिधान का उस व्यक्ति के नाम के साथ उपयोग किया जा सकेगा, जो कोई मान्यता प्राप्त चिकित्सकीय अर्हता धारित करता हो और जो तत्समय प्रवृत्त विधि द्वारा स्थापित किसी बोर्ड या परिषद् या किसी अन्य संस्था में चिकित्सा व्यवसायी के रूप में रजिस्ट्रीकृत है तथा अन्य कोई व्यक्ति स्वयं को चिकित्सा व्यवसायी के रूप में अभिव्यक्त करने के लिए डॉक्टर अभिधान का उपयोग नहीं करेगा।

गांव के साथ शहर में भी बड़ी संख्या में झोलाछाप...

ग्रामीण क्षेत्रों के साथ शहर में बड़ी संख्या में लोग बिना डिग्री के ही चिकित्सा व्यवसाय कर रहे हैं। एलोपैथिक पद्धति से इलाज कर लोगों की जान खतरे में डाली जा रही है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में 81 प्रश लोग फर्जी तरीके से लोगों का उपचार कर रहे हैं। शासन द्वारा कई बार झोलाछाप चिकित्सकों के खिलाफ मुहिम शुरू की गई। जिले से इनकी जानकारी मांगी गई। लेकिन स्वास्थ्य विभाग को झोलाछाप डॉक्टर नजर नहीं आ रहे हैं। जिन अधिकारियों पर कार्रवाई की जिम्मेदारी है। उन्होंने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की।

कई बार मांगी जानकारी...

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, मप्र मानवाधिकार आयोग के बाद मप्र विस में पूछे गए प्रश्नों में नियमों के विरुद्ध चिकित्सा व्यवसाय कर रहे डॉक्टरों की जानकारी मांगी गई। कई बार शासन ने जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। यहां तक की स्वास्थ्य विभाग के उप संचालक ने पत्र के माध्यम से नाराजगी जाहिर करते हुए दिए गए प्रारूप में 5 दिनों में जानकारी मांगी गई। स्वास्थ्य विभाग झोलाछाप डॉक्टरों का पता लगाने में सफल नहीं हो पाया।

एमबीबीएस की बजाय झोलाछाप बनी पसंद...

ग्रामीण क्षेत्रों में एमबीबीएस चिकित्सक नहीं होने से कुछ बीमारियों में झोलाछाप के पास ही लोग पहुंच रहे हैं। एमबीबीएस एमसीआई के नियमों के अनुसार ही उपचार करते हैं। जबकि झोलाछाप एमपीसीलिन, केल्शियम ग्लुकोनेड, डेकाड्रोन जैसे इंजेक्शन का प्रयोग कर रहे हैं इनका असर जल्दी जरूर होता है लेकिन रिएक्शन होने पर कभी भी दवाई जानलेवा बन सकती है। साथ ही पचास साठ रुपए में उपचार हो जाता है। जबकि एमबीबीएस की फीस अधिक होती है।

तीन साल में इक्का दुक्का कार्रवाई...

सीएमएचओ कार्यालय के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह दल पहले भी गठित था। लेकिन तीन सालों में इक्का दुक्का झोलाछाप या फर्जी डॉक्टरों को दोडक़र किसी पर कार्रवाई नहीं हुई है। जबकि जिले में कई जगह यह काम कर रहे है। सूत्रों की माने तो गरोठ, शामगढ, चंदवासा, मल्हारगढ क्षेत्र सहित अन्य जगह यह झोलाछाप डॉक्टर काम कर रहे है इसकी जानकारी स्वास्थ्य अधिकारियों को भी है। लेकिन कार्रवाई शून्य है।

118 दिन योग निद्रा में रहेंगे भगवान विष्णु...

आज से विवाह में 124 दिन का ब्रेक

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। इस सीजन में विवाह कार्यक्रमों का मंगलवार को अंतिम मुहूर्त रहा। इसके बाद आज देव शयनी एकादशी पर 17 जुलाई को 118 दिनों के लिए भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाएंगे। साथ ही विवाह कार्यक्रम समेत सभी मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाएगा और 124 दिन का लंबा ब्रेक लगा रहेगा। इसके बाद नवंबर में देवउठनी ग्यारस के बाद ही विवाह कार्यक्रम शुरू होंगे।

मंगलवार को शहनाईयों की गूंज सुनाई दी। लेकिन अब इस गूंज पर ब्रेक लग गया है। बुधवार देव शयनी एकादशी पर 17 जुलाई को 118 दिनों के लिए भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाएंगे। साथ ही विवाह कार्यक्रम समेत सभी मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाएगा और 124 दिन का लंबा ब्रेक लगा रहेगा। इसके बाद नवंबर में देवउठनी ग्यारस के बाद ही विवाह कार्यक्रम शुरू होंगे। जानकारों के मुताबिक इस सीजन में 16 जुलाई विवाह का अंतिम मुहुर्त था और फिर कोई विवाह मुहुर्त नहीं है। क्योंकि 17 जुलाई को देवशयन एकादशी से 12 नवंबर को देवप्रबोधनी एकादशी तक विवाहों के आयोजन नहीं होते हैं। इससे 12 नवंबर को तुलसी-सालिगराम विवाह तो होगा, लेकिन आमजन के लिए विवाह मुहुर्त 17 नवंबर से शुरू होंगे। इससे लगातार 124 दिन तक बाजार में विवाहों के लिए सामान की खरीदारी पर विराम लग जाएगा, तो शहनाई की गूंज भी रूक जाएगी। इसके अलावा मैरिज गार्डनों में शोरगुल थम जाएगा।

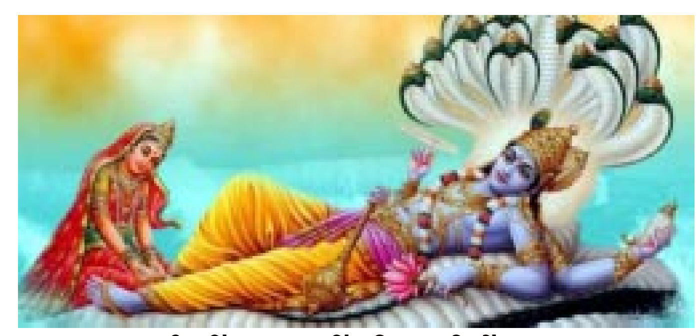

चातुर्मास में साधना में लीन रहते हैं साधक...

देवशयन एकादशी से देव प्रबोधन एकादशी तक भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं, जो इस दौरान राजा बली के यहां निवास करते हैं। तो वहीं देवता व सिद्ध इस दौरान साधना में लीन रहते हैं। इसलिए इस अवधि में विवाह आदि मांगलिक कार्यों के आयोजन नहीं होते हैं। साथ ही इस दौरान संत एक स्थान पर ही रुककर चातुर्मास करेंगे। इससे 118 दिन तक चातुर्मास चलेगा और 17 नवंबर से ही फिर से विवाहों के मुहुर्त शुरू होंगे।

धरने पर पुण्यविराम

लिखित में मिला आश्वासन, एक माह का दिया समय

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। निर्माणाधीन उज्जैन गरोठ फोर लेन सडक़ पर शामगढ नगर की कनेक्टिविटी की मांग के लिए चल रहा धरना प्रदर्शन दो दिन बाद मंगलवार को समाप्त हो गया। सड़क निर्माण कर रही एमकेसी कंपनी के अधिकारियों ने लिखित में आश्वासन दिया कि जिस जगह से कनेक्टिविटी की मांग की जा रही है। उस हिस्से में अगले 30 दिनों तक कंपनी कोई निर्माण नहीं करेगी। इसके बाद धरना प्रदर्शन कर रहे स्थानीय लोगों ने धरने को समाप्त कर दिया।

बता दें कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी की ओर से उज्जैन गरोठ फोर लेन मार्ग का निर्माण किया जा रहा है। इस सडक़ मार्ग पर शामगढ़ नगर को नही जोड़ा गया है। नगर वासियों के कहना है कि नगर की 40 हजार से ज्यादा आबादी है। सभी ट्रेनों का स्टॉपेज है। आसपास के करीब 80 गांवों के लिए शामगढ सेंटर है इसके बाद भी दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस-वे पर शामगढ को कनेक्टिविटी नहीं दी गई।अब फोर-लेन हाईवे पर भी शामगढ को कनेक्टिविटी नही दी जा रही। इससे नाराज नगरवासियों ने रविवार से निर्माणाधीन फोरलेन हाईवे पर अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया था। सोमवार को नगर बन्द रख विरोध दर्ज करवाया वही आज निर्माण कम्पनी के अधिकारियों ने 30 दिनों तक कनेक्टिविटी वाले हिस्से में निर्माण निर्माण कार्य नहीं करने का आश्वासन दिया है।

आए दिन हो रही दुर्घटनाओंसे एक्सप्रेस वेन के प्रबंधन पर उठे सवाल...

8–लेन पर दुर्घटना में युवक की मृत्यु, अन्य घटना में पिकअप पलटी

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले से गुजरने वाले 8–लेन यानी एक्सप्रेस वे पर आए दिन दुर्घटनाएं होने की जानकारी सामने आ रही है। कुछ दिन पूर्व ही बेलारी के समीप एक कार दुर्घटनाग्रस्त हुई थी, जिसें एक युवक मौत के आगोश में चला गया था। मंगलवार को बेलारी के समीप ही एक्सप्रेस वे पर एक पिकअप वाहन पलटी खा गया। हालांकि इसमें जनहानि नहीं हो पाई। उधर, भानपुरा थाने के तहत नीमथुर के समीप रामनगर के निकट 8 लेन पर एक युवक बाईक सहित डिवाईडर से टकरा गया। इससे युवक ने मौके पर दम तोड़ दिया।

भानपुरा थाना पुलिस के अनुसार नीमथूर गांव निवासी कमल पिता भंवरलाल जाति भील 30 वर्ष मजदूरी करने सोमवार को गया था। वापिस वह बाईक से नीमथूर लौट रहा था। रात्रि में रामनगर के समीप मोढ़क रोड पर एक्सप्रेस वे पर बाईक संभवतः डिवाईडर से टकरा गई। मंगलवार सुबह मृतक कमल का पीएम कराया गया। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू की है। इसके अलावा सीतामऊ थाना क्षेत्र के तहत ग्राम बेलारी के पास एक मिर्ची से भरा पिकअप वाहन भी एक्सप्रेस वे पर पलट गया। इसके बाद ग्रामीणों ने पहुंचकर चालक को बाहर निकाला। हादसे में कोई जनहानी नहीं हुई है।

बायपास हाईवे पर ट्राले में घुसी बस...

मंगलवार को मुल्तानपुरा फंटा पर एक ट्रक ट्रॉले में जा घुसी। जानकारी के अनुसार एक खाली बस उदयपुर से आ रही थी। इसी दौरान मुल्तानुपरा फंटा पर एक ट्राले में बस जा घुसी। हादसे में कोई जनहानी नहीं हुई। लेकिन, बस पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

किसान की 8 क्विंटल सोयाबीन गायब! मंडी समिति ने भुगतान किया

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नंबर वन मानी जाने वाली कृषि उपज मंडी मंदसौर में शरारती तत्व के भी घुमने की बातें सामने आ रही है। वर्तमान में सुवासरा क्षेत्र के ग्राम धलपट निवासी किसान बंशीलाल धनोतिया की 8 क्विंटल सोयाबीन अज्ञात बदमाश गायब कर गए अथवा चुरा गए। किसान ने इसकी शिकायत मंडी समिति को की थी, जिसके बाद से मंगलवार को 12 बजे के पूर्व मंडी समिति ने भुगतान का वादा किया। मंगलवार को मंडी समिति ने किसान बंशीलाल को 3900 रूपए प्रति क्विंटल के हिसाब से भुगतान करवाया दिया है। लेकिन, मंडी के अंदर चोर कौन हो सकता है, यह बात भी दिगर बनी हुई है। दस, बीस अथवा 50 किलो उपज चुराना तो समझ में आता है लेकिन, सीधे 8 क्विंटल सोयाबीन की बोरी ही चोरी कर ली गई है। इसके पीछे मंडी समिति का नेटवर्क अनरिचेबल होता दिखाई दे रहा है।

हल्की बारिश के बाद बादल छंटे, खिली धूप, प्रार्थनाओं का दौर जारी

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर में मंगलवार सुबह से हल्की रिमझिम बारिश का दौर चला। सोमवार को जिले के कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश हुआ। मंगलवार को सुबह से ही मंदसौर में रिमझिम बारिश का दौर चला। इसके अलावा जिले में कई जगहों पर झमाझम बारिश भी हुई। जिससे सडक़ों पर पानी बह निकला। सुबह मंदसौर में गर्मी से राहत मिली। लेकिन दोपहर में फिर से धूप खिल गई। जिससे गर्मी का असर महसूस किया गया।

जिले में अब तक 6.40 इंच बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग में आज जिले में गरज चमक के साथ बारिश का अनुमान जताया है। साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ की वजह से प्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम है। आईएमडी भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या... शेष पेज 4 पर

हार से सहमी कांग्रेस, संगठन में ऊर्जा के लिए तलाश रही समर्पित कार्यकर्ता

उज्जैन/मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव में बड़े अंतर की हार लोकसभा चुनाव में संपूर्ण हार के बाद मध्य प्रदेश कांग्रेस संगठन राष्ट्रीय कांग्रेस के सांगठनिक पैमाने की कार्रवाई के निशाने पर लिया जा चुका है। घटती जनसाख और कार्यकर्ताओं में उत्साह का लगातार कम होना प्रमाणिक दृश्य साफ नजर आ रहा है। प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों के मतदाताओं ने कांग्रेस को दस साल बाद केन्द्र में विपक्ष का नेता बनने की हैसियत दिला दी है। पर मध्य प्रदेश में शत प्रतिशत हार ने बड़बोले प्रदेश अध्यक्ष की सांगठनिक कार्य क्षमता पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं!

राष्ट्रीय स्तर पर आज कांग्रेस जिस हैसियत में नजर आ रही है उसमें जीतू पटवारी की प्रदेश अध्यक्षता की सहभागिता शून्य रही है। विधानसभा चुनाव में भी इन्हीं के गृह जिले इंदौर से विधायक संख्या भी शून्य ही रही थी। विधानसभा चुनाव में जो नतीजे आए थे उसके लिए तात्कालिक अध्यक्ष कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के बीच सार्वजनिक मंचीय वार्तालाप ने ही इशारा कर दिया था कि प्रत्याशी चयन में ही भाजपा की बढ़त को पुख्ता कर दिया जाएगा। हुआ भी यही था कि प्रत्याशी चयन में पठ्ठावाद और धनबल चलने तक की चर्चा को राजनीतिक जगत में प्रमुखता से स्थान मिला था। अब राहुल गांधी का विपक्ष का नेता घोषित किए जाने के बाद और पहला संसदीय सत्र बीतने के साथ ही संगठन की सर्जरी पर ध्यान दिया जाने लगा है। मध्य प्रदेश कांग्रेस संगठन और कार्यकर्ताओं के हालातों को अलग कसौटी पर परखा जा रहा है। क्योंकि दोनों विधानसभा और लोकसभा चुनाव के पहले सतह पर आसान सा राजनीतिक दृश्य जो बना नजर आ रहा था लगा था कि कांग्रेस पहले से निश्चित ही बेहतर प्रदर्शन करेगी। पर हुआ उलट विधानसभा चुनाव में बहुत कुछ खोया और लोकसभा चुनाव में तो सब कुछ खोकर शून्य पर आ गए थे। टिकट बांटने की प्रक्रिया वैसी ही थी जैसी विधानसभा के समय अपनाई थी। धनबल के पैमाने पर बनाए प्रत्याशी जनमत को रास ही नहीं आए। इंदौर जैसी आर्थिक नगरी के प्रत्याशी अक्षय कांति बम ने तो भाजपा के सामने समर्पण ही कर डाला था।

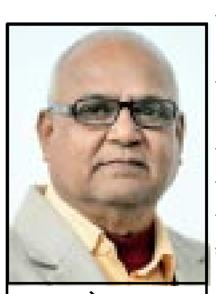

चन्द्रमोहन भगत

राहुल खड़गे की टीम के सामने भी टारगेट मध्य प्रदेश संगठन ही है। जिसने अच्छी संभावनाओं के बाद भी नतीजे में शून्य ही पाया और केंद्र में इंडिया गठबंधन को सैकड़ा भी छूने नहीं दिया। राहुल के प्रयास का पहला कदम है मीनाक्षी नटराजन का प्रदेश समन्वयक बनाया जाना। अब जो बदलाव होने हैं वह परीक्षण के बाद होते जाएंगे चूंकि सभी लोकसभा प्रत्याशी हारे हैं इसलिए सभी जिलों के संगठन में बदलाव की संभावना प्रबल है। सूत्रों पर भरोसा करें तो संसदीय प्रत्याशियों की रिपोर्ट के आधार पर जिला संगठनों में बदलाव किया जाने की तैयारी है। स्वाभाविक है कि सभी हारे हुए लोकसभा प्रत्याशियों ने चुनाव में सक्रियता से काम करने वाले और साथ में रहकर दिखावा करने वालों की सूची वरिष्ठ संगठन तक पहुंचा दी है। इसी आधार पर नए संगठन के लिए ऊर्जा और समर्पण रखने वाले कार्यकर्ताओं को पदों से नवाजा जाएगा। शंकाए अभी भी उठ रही है कि राहुल गांधी केंद्र में विपक्ष की नेता बनने के बाद सदन पर ध्यान देंगे या प्रदेशिक संगठन पर या किसी के भरोसे संगठन परिवर्तन छोड़ दिया जाएगा। अगर ऐसा हुआ तब यह माना जा सकता है कि मध्य प्रदेश में भविष्य में भी कांग्रेस में कोई सुधार नजर नहीं आएंगे!

19 वीं पुण्यतिथि पर हार्दिक पुष्पांजलि

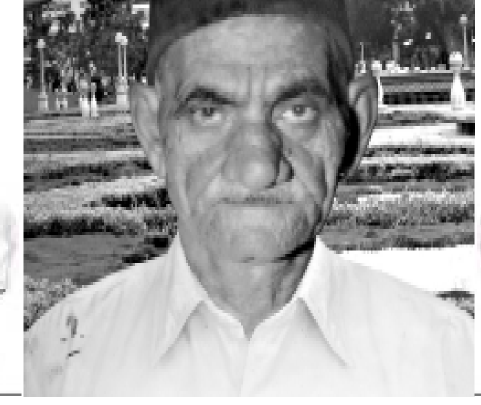

स्व. कन्हैयालालजी ईनाणी

(महाप्रयाण दि. 17.7.05)

की 19 वीं पुण्यतिथि पर

हार्दिक श्रद्धासुमन

***** श्रद्धावनत् *****

ईनाणी परिवार,

मंदसौर, प्रतापगढ़ व घाटोल

*********** फर्म ***********

रवि रेडियो, मन्दसौर मो. 9826095778

विचार-मंथन

समाज और कानून एक–दूसरे के पूरक लेकिन...

प्राकृतिक संसाधनों के शोषण और उनके प्रति गैर–जिम्मेदाराना रवैया रखने के कारण, अनेक कानूनों के होते हुए भी कुदरत का कहर बरस रहा है। यह सब इसलिए संभव हो पा रहा है क्योंकि हमने कानून तो बहुत बना दिए, लेकिन उनका आदर और सम्मान नहीं होता। इसके विपरीत उनका इस्तेमाल समाज के उस वर्ग को अपमानित और प्रताड़ित करने के लिए किया जाता है जो नियमानुसार चलना चाहता है। निष्कर्ष यह है कि कानून बनाए हैं तो उनका ईमानदारी से पालन करने की व्यवस्था पहले करनी चाहिए।

हमारे देश में लगभग साढ़े 1200 कानून हैं और हर बार संसद में नए कानून बनते रहते हैं। इसी प्रकार राज्यों में भी होता है। इन कानूनों, नियमों, प्रतिबंधों और व्यवस्थाओं से उम्मीद की जाती है कि नागरिकों का जीवन आसान होगा और वे कभी भी जरूरत पड़ने पर इनके अंतर्गत न्याय की गुहार लगा सकते हैं। भारत अनेक संगतियों यानी अच्छी बातों और उनके सामने अनेक विसंगतियों यानी खराब और विरोधी विचारों, परंपराओं तथा मान्यताओं से भरा देश है। यह धर्म, जाति, भाषा, पहनावा, रहन-सहन की बात नहीं है, वह तो विविधता लिए हुए ही है, एकता की तलाश करने की भावना से जुड़े हैं। कोई भी अपनी संस्कृति या धरोहर त्यागना तो दूर, तनिक बदलना भी नहीं चाहता। इन पर आंच आती दिखाई देती है तो रक्षा के लिए प्रदर्शन, हिंसा और अनेक असामाजिक गतिविधियां होती हैं। पुलिस, प्रशासन भी यथासंभव कानून के अनुसार कार्रवाई करता दिखाई देता है। प्रश्न यह है कि जब सब कुछ कानून में तय है तो क्यों उनमें कोई खामी यानी लूपहोल खोजने लगता है ताकि जो वह चाहता है, कर सके और कानून के उल्लंघन का ठीकरा भी उसके माथे पर न फोड़ा जा सके और लगे कि सब कुछ नियम और कानून के अनुसार हुआ है? यहीं से शुरू होता है रिश्वत यानी सुविधा शुल्क का खेल जो भ्रष्ट तरीके अपनाए बिना पूरा नहीं होता। इसका अर्थ यह हुआ कि कानून इस बात की गारंटी नहीं है कि उनके मुताबिक चलकर आप अपनी मंजिल पा सकते हैं। यह ऐसी स्थिति है जिसमें इस बात की दावत दी जाती है कि आपको काम कराना है और हमें करना है तो हमारी मेज की दराज खुली है, उसमें भेंट दीजिए और बाकी हम पर छोड़ दीजिए। यदि कोई इतनी-सी बात न समझे तो फिर वह नियमानुसार काम कराने के लिए दर-दर की ठोकरें खाए, अपना समय गंवाए और कुछ न हो तो अपने भाग्य को दोष देकर घर बैठ जाए।हमारे देश में लगभग हर बात के लिए नियम और कानून है, जैसे कि सड़क पर चलना, गाड़ी चलाना, किसी भी साधन से यात्रा, खरीदना, बेचना, उपभोक्ता संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, वन और वन्य जीव तथा पर्यावरण रक्षण, खेतीबाड़ी, व्यापार, व्यवसाय, नौकरी, मानवाधिकार, प्राकृतिक या मानवीय आपदा, मतलब यह कि एक लंबी सूची है जो इसका भ्रम पैदा करती है कि यदि कुछ गलत होता है तो कानून, पुलिस, प्रशासन तथा अंत में सरकार तो है न जो हमें सुरक्षा देने के लिए मौजूद है। विडंबना यह है कि समय, काल, परिस्थिति और व्यक्ति की हैसियत के अनुसार ही न्याय और अन्याय की परिभाषा तय होती है। इसके अतिरिक्त यह तय करने में ही दिन, महीने और वर्ष निकल जाते हैं कि जिस तथाकथित अपराध के लिए कोई कार्रवाई की गई है, उसका स्रोत क्या है? हालांकि हरेक बात के लिए समय सीमा निर्धारित है परंतु न तो कोई कानून है और न ही किसी दंडाधिकारी में इस बात की उत्सुकता दिखाई देती है कि निर्धारित समय नामक प्रावधान का पालन हो। यह बेबुनियाद तर्क दिया जाता है कि चाहे कितने भी अपराधी बच जाएं पर एक भी निर्दोष को सजा न हो। यहीं से पक्षपात की शुरूआत होती है, जोड़-तोड़ की प्रक्रिया चलने लगती है, बच निकलने के प्रयास होते हैं और कानून के हाथ चाहे जितने भी लंबे बताए जाएं, उसके अंधे होने का कवच अपराधी को सुरक्षा प्रदान कर देता है।कानून और व्यवस्था की इसी कमजोरी के कारण आज संसद हो या विधान सभाएं, उनमें सजायाफ्ता, बाहुबली, घोषित उपद्रवी, हत्यारे, बलात्कारी और यहां तक कि आतंकवादी पहुंच जाते हैं। यही वे लोग हैं जिनकी किसी भी कानून को बनाने में सब से बड़ी भूमिका होती है। प्रतिदिन इस प्रकार के समाचार मिलते हैं कि दुर्घटना, जानबूझकर और संगठित बेईमानी, हेराफेरी, घोटाले के वास्तविक अभियुक्त पकड़े नहीं जाते, निडर होकर घूमते दिखाई देते हैं, आज भारी-भरकम और तड़क-भड़क से लैस बहुत से कानून होने के बावजूद हमारी हर्बल संपदा की चोरी और तस्करी विशाल पैमाने पर हो रही है। वन विनाश अपने चरम पर है।

40 साल बाद 'पलटा' गया एक महत्वपूर्ण फैसला

संजय सक्सेना

खैर, चालीस साल बाद अब एक बार फिर उसी सुप्रीम कोर्ट ने इतिहास को दोहराते हुए एक अहम फैसले में तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के गुजारे भत्ता लेने के हक की बात कही है। कोर्ट ने कहा कि मुस्लिम महिलाएं भी सीआरपीसी की धारा 125 के तहत पति से गुजारा भत्ता पाने की हकदार हैं। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की बेंच ने ये फैसला सुनाया है। दोनों जजों ने फैसला तो अलग-अलग सुनाया, लेकिन दोनों की राय एक ही थी। दोनों ने कहा कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला भी गुजारा भत्ता पाने के लिए पति के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 125 के तहत केस कर सकती हैं।सुप्रीम कोर्ट का ये फैसला ठीक वैसा ही है, जैसा कि 23 अप्रैल 1985 में शाहबानो मामले में दिया गया था। दरअसल, 1985 में इंदौर की एक तलाकशुदा मुस्लिम महिला शाहबानो ने गुजारा भत्ता हासिल करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट ने शाहबानो के पक्ष में फैसला सुनाते हुए उनके पति मोहम्मद अहमद खान को सीआरपीसी की धारा 125 के तहत गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया।कट्टरपंथी मुस्लिमों ने इस फैसले को शरिया में दखलंदाजी करार देते हुए विरोध शुरू कर दिया। उस समय की मौजूदा राजीव गांधी सरकार जो मुस्लिम वोटों की बड़ी दावेदार थी, उसे जब लगा कि उसका मुस्लिम वोट बैंक इस फैसले से खिसक सकता है तो तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी कट्टरपंथियों के विरोध के आगे झुक गये

और सुप्रीम कोर्ट के फैसले को निष्प्रभावी बनाने के लिए मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) कानून, 1986 लाकर मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए कोर्ट के फैसले को पलट दिया। राजीव गांधी सरकार द्वारा लाए गए मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) कानून, 1986 की संवैधानिक वैधता को 2001 में डेनियल लतीफी बनाम भारत संघ मामले में सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष चुनौती दी गई थी। डेनियल लतीफी वकील थे। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में शाहबानो का प्रतिनिधित्व किया था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में 1986 के कानून की व्याख्या इस तरह से की जिससे की अधिनियम में लागू की गई रोक एक तरह से अप्रभावी हो गई। अपने फैसले में कोर्ट ने कहा कि महिलाओं के अधिकार इद्दत की अवधि के आगे भी रहते हैं। कोर्ट के इस फैसले ने सुनिश्चित किया कि मुस्लिम महिलाओं को गरिमा के साथ अपना जीवन जीने के लिए उचित मदद मिले। राजीव गांधी सरकार ने भले ही शाहबानो केस में मुआवजे के सुप्रीम कोर्ट के आदेश वाले फैसले को कानून बनाकर पलट दिया था,लेकिन मुस्लिम महिलाओं के हक की लड़ाई कभी थमी नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने 2009 में जोर देकर कहा था कि धर्म का पालन करने के अधिकार में दूसरों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने का अधिकार शामिल नहीं है। यह बात खास कर लैंगिक समानता के परिप्रेक्ष्य में कही गई थी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले में इस बात की पुष्टि की गई थी कि पर्सनल ला संवैधानिक अधिकारों के अनुरूप होने चाहिए। इसी प्रकार 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने शमीम बानो नाम असरफ खान मामले में कहा था कि मुस्लिम महिला तलाक के बाद भी अपने पति से गुजारा भत्ता पाने की हकदार है और मजिस्ट्रेट की अदालत के समक्ष इसके लिए आवेदन कर सकती है। फैसले में इस बात पर जोर दिया गया था कि मुस्लिम पति की जिम्मेदारी है कि वह तलाकशुदा पत्नी के भविष्य के लिए गुजारा भत्ता सहित उचित व्यवस्था करें और यह बात इद्दत की अवधि से आगे के लिए भी लागू होती है। इस कड़ी में 2017 में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले को भी नहीं भुलाया जा सकता है।जब सुप्रीम कोर्ट ने तीन तलाक को असंवैधानिक और अवैध करार दे दिया था। कोर्ट ने कहा कि तीन तलाक मुस्लिम महिलाओं के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। कुल मिलाकर 10 जुलाई 2024 को सुप्रीम कोर्ट का अपने अहम फैसले में मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता देने का आदेश व्यापक प्रभाव वाला है। तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं भी पति से भरण-पोषण यानी गुजारा भत्ता पाने की हकदार हों इसमें कोई बुराई भी नहीं है। ऐसे फैसलों पर धर्म के नाम पर कतई विवाद नहीं होना चाहिए।लम्बे समय से तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं हक से महरूम थीं।संभवता अब उन्हें न्याय मिल पाये। क्योंकि इस फैसले के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट ने राजीव गांधी सरकार की ओर से उठाए गए एक गलत कदम का प्रतिकार करने के साथ ही मुस्लिम महिलाओं को न्याय देने का काम किया है। 1985 उसकी पूर्ववर्ती बेंच के द्वारा शाहबानो मामले में दिया गया फैसला सर्वथा उचित एवं संविधान सम्मत था भले ही राजीव गांधी सरकार ने उसे पलट दिया था। 1986 में कट्टरपंथी मुस्लिम संगठनों के दबाव में आकर उनके मन मुताबिक और शरिया के अनुकूल मुस्लिम महिला अधिनियम बनाया था। इस अधिनियम का एकमात्र उद्देश्य मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों का हनन करना था। चालीस सालों में हालात काफी बदल चुके हैं। तब कांग्रेस पावरफुल हुआ करती थी उसकी जगह बीजेपी ने ले ली है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह अधिनियम किसी पंथनिरपेक्ष कानून पर हावी नहीं होगा और तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं गुजारा भत्ता के लिए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत याचिका दायर कर सकती हैं। तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के भरण-पोषण पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला केवल यही आकर नहीं रुका, इसके आगे भी कोर्ट ने कहा कि अलग-अलग समुदाय की महिलाओं को भिन्न-भिन्न कानूनों से संचालित नहीं किया जा सकता, बल्कि इस फैसले के साथ कोर्ट ने समान नागरिक संहिता की आवश्यकता भी जताई है। इसी के साथ ही सुप्रीम कोर्ट यह भी संदेश दिया है कि देश के लोग संविधान से चलेंगे, न कि अपने पर्सनल कानूनों से, वे चाहे जिस पंथ-मजहब के हों। इसका कोई औचित्य नहीं कि देश में अलग-अलग समुदायों के लिए तलाक, गुजारा भत्ता, उत्तराधिकार, गोद लेने आदि के नियम-कानून इस आधार पर हों कि उनका उनका पंथ-मजहब क्या है? सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है, इस फैसले को राजनीतिक दल किस तरह से लेते हैं,यह देखने वाली बात होगी। हां इतना तय है कि बीजेपी इसके पक्ष में खड़ी नजर आयेगी। वहीं विपक्ष से यह अपेक्षा अनुचित नहीं कि उनके नेता सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले की प्रशंसा करने के लिए आगे आयेंगें।

नेता प्रतिपक्ष बोलते जरूर हैं परन्तु चिंतन नहीं करते!

मा. मोहन लाल

यह राहुल गांधी का दुर्भाग्य है कि सदन के बाकी सदस्य उन्हें हंसी में ले लेते हैं। सदन में अमित शाह, मोदी जी, ओम बिरला या राजनाथ ने तेवर तो जरूर दिखाए परन्तु नेता प्रतिपक्ष बोलते ही चले गए। लगता है कि आगामी संसद सत्रों में भी उनके बोलने का क्रम इसी प्रकार का रहेगा। मैंने प्रतिपक्ष के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण अडवानी, मधुलिमये और राम मनोहर लोहिया को सुना है। उनके तथ्यों और डैरावाइज के वार्तालाप सत्तापक्ष को परेशान कर देते थे। सदन में नेता प्रतिपक्ष को 'कैबिनेट मंत्री' पद की हर सुविधा उपलब्ध रहती है। केंद्र में चीफ सैक्रेटरी और विभागों के सैक्रेटरी को उन्हें सत्ता पक्ष की कमियों को उजागर करने के तथ्य उपलब्ध करवाने ही पड़ते हैं। नेता प्रतिपक्ष के आई.ए.एस. रैंक का एक सचिव भी सत्ता पक्ष उपलब्ध करवाता है। राहुल गांधी संसद के पहले सत्र में ही एक्सपोज हो गए। वह अपनी बचकाना छवि से प्रतिपक्ष के नेता के रूप में भी अपना प्रभाव नहीं छोड़ सके। लगता है कि राहुल गांधी लाड़-प्यार के झूले से अभी बाहर ही नहीं निकले।हिंदू, हिंदुइज्म या हिंदुत्व की एक नई आलोचना में फंस गए। लगता यह भी है कि नेता प्रतिपक्ष ने 'हिंदू' शब्द के उदार, व्यापक और सर्वमान्य रूप का चिंतन ही नहीं किया और हिंदू देवी-देवताओं के चित्र सदन में दिखा-दिखा कर यही कहा कि हिंदू 'नफरत, नफरत और सिर्फ नफरत' ही फैलाता है। यही नहीं नेता प्रतिपक्ष ने हिंदू आस्था के प्रतीक 'राम' को भी इसी नफरत के मुहावरे से जोड़ दिया। परिणाम पत्थरबाजी, धरने, जलूस और अग्नि लगाने तक पहुंच गया। मैं हिंदू समाज से विनती करता हूं कि इटली की संस्कृति में पले-बढ़े नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को माफ कर दें क्योंकि उन्होंने हिंदू शब्द की व्यापकता और विशालता के बारे पढ़ा ही नहीं। सुना है उन्होंने यूरोप के भिन्न-भिन्न विश्वविद्यालयों से बड़ी-बड़ी डिग्रियां हासिल की हैं। डिग्रियां हासिल कर लेने से कोई विद्वान थोड़े ही बन जाता है? मैंने स्वयं में न जाने कितनी डिग्रियां प्राप्त की हैं परन्तु हूं तो अज्ञानी, मूर्ख ही न? सदन में उनके दिए भाषण से लगता है कि उन्होंने जीवन में अभावों का सामना नहीं किया। मौत के साए में पढ़ने-लिखने, बोलने और बड़े होने वाले बच्चों का स्वभाव भी दूसरों से नफरत करने वाला हो जाता है। शायद प्रसुप्त मन में राहुल गांधी को यही विचार घर कर गया हो कि सिर्फ मैं और मेरा ही धर्म सच्चा है। बाकी सब धर्म, सम्प्रदाय और पंथ नफरत की दुकान चलाते हैं और राहुल गांधी ही सिर्फ ऐसे नेता हैं जो प्यार बांटते हैं? राहुल गांधी आज नेता प्रतिपक्ष हैं। कल उन्हें सत्ता में आना है। उनकी एक 'शैडो' कैबिनेट है अतः अध्ययन चिंतन, मनन तो उन्हें करना ही होगा, और न सही 'हिंदू शब्द' की पवित्रता और व्यापकता का आकलन तो करना चाहिए। मैं, जितनी मेरी बुद्धि है 'हिंदू शब्द' का मूल रूप हिंद समाचार रूप के माध्यम से लोगों की सेवा में प्रस्तुत करना चाहता हूं। 'हिंदू शब्द' पर विद्वानों ने ग्रंथ के ग्रंथ लिख दिए हैं परन्तु फिर भी 'हिंदू शब्द' का वास्तविक स्वरूप लोगों की समझ से परे है। 'हिंदू शब्द' पर ही मेरी अपनी लाइब्रेरी में 5-7 पुस्तकें तो होंगी ही परन्तु मुझे शक है कि मैं 'हिंदू शब्द' को लोगों को समझा सकूं। हां, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के मनीषी लोग अवश्य हिंदू शब्द की व्यापकता समझा सकते हों? हिंदू न कोई धर्म है न कोई सम्प्रदाय या पंथ है। यह तो एक विशेष भौगोलिक क्षेत्र में रहने वालों की एक 'जीवन पद्धति' है। जीने का एक ढंग है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने भी हिंदू को एक जीवन पद्धति कहा है। हिंदू वह है जो सबको अपना समझता है। सारा विश्व हिंदू का है। हिंदू का कोई सम्प्रदाय या कोई एक 'देवदूत' या 'पैगम्बर' नहीं। हिंदुओं में किसी एक देवता की पूजा नहीं होती। हिंदू किसी एक दार्शनिक विचार पद्धति में विश्वास नहीं रखता। हिंदुओं में किसी एक सम्प्रदाय का अनुष्ठान नहीं होता। हिंदू एक अमर शब्द है। प्राचीन जातियां, असभ्य और अर्द्धसत्य लोग, सभ्य द्रविड़ और वैदिक आर्य हिंदू थे क्योंकि वे एक मातृभूमि की संतान थे। देवी-देवताओं की पूजा करने वाले अलग-अलग पूजा पद्धतियों का पालन करने वाले सारे हिंदू हैं। हिंदू ने कभी भी किसी विचार, सिद्धांत या चिंतन को असत्य नहीं कहा है। हिंदू सबका मंगल और कल्याण मांगता है। महात्मा बुद्ध ने 'बौद्धमत', महावीर स्वामी ने 'जैनपंथ', बासव ने लिंगायत सम्प्रदाय, संत ज्ञानेश्वर और तुकाराम ने 'वारकरी पंथ', श्री गुरु नानक देव ने 'सिख पंथ', स्वामी दयानंद ने 'आर्य समाज', चैतन्य महाप्रभु ने 'भक्ति सम्प्रदाय', कबीर जी ने 'कबीर पंथ', संत रविदास ने अलग पंत की नींव रखी, रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद जी ने 'हिंदू शब्द' में एक आकर्षण भरा। यदि इन सभी सम्प्रदायों या पंथों का चिंतन करें तो कुछ अंतर दिखाई देगा परन्तु यदि गहराई में जाएं तो इन सब में एक उच्चकोटि की एकता दिखाई देगी।

नेपाल में फिर एक बार चीन के यार ओली सरकार, क्या पड़ोसी भारत से दूर हो जाएगा फिर एक बार

संसद में दहल के विश्वास प्रस्ताव के खिलाफ 194 वोट पड़े। हल के सीपीएन-माओवादी सेंटर के संसद में केवल 32 सदस्य हैं। नेपाली कांग्रेस के पास 89 सीटें हैं, जबकि सीपीएन-यूएमएल के पास 78 सीटें हैं। उनकी संयुक्त संख्या 167 निचले सदन में बहुमत के लिए आवश्यक 138 से कहीं अधिक है। एनसी अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा पहले ही नेपाल के अगले प्रधान मंत्री के रूप में ओली का समर्थन कर चुके हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल %प्रचंड% शुक्रवार को संसद में अपना नवीनतम विश्वास मत हार गए, एक अपेक्षित परिणाम जो उन्हें सत्ता से हटने के लिए मजबूर करेगा और उनके कम्युनिस्ट प्रतिद्वंद्वी केपी शर्मा ओली के लिए सत्ता में लौटने का मार्ग प्रशस्त करेगा। अगले प्रधानमंत्री. कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) द्वारा उनकी सरकार से अपना समर्थन वापस लेने और नेपाली कांग्रेस के साथ देर रात गठबंधन समझौता करने के बाद प्रचंड ने पांचवें विश्वास मत का आह्वान किया। सभी घटनाक्रम इस ओर इशारा कर रहे हैं कि प्रचंड शुक्रवार का विश्वास मत हार रहे हैं क्योंकि उन्हें 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में सिर्फ 63 वोट मिले, जबकि विश्वास मत हासिल करने के लिए उन्हें 138 वोटों की जरूरत थी। संसद में दहल के विश्वास प्रस्ताव के खिलाफ 194 वोट पड़े। हल के सीपीएन-माओवादी सेंटर के संसद में केवल 32 सदस्य हैं। नेपाली कांग्रेस के पास 89 सीटें हैं, जबकि सीपीएन-यूएमएल के पास 78 सीटें हैं। उनकी संयुक्त संख्या 167 निचले सदन में बहुमत के लिए आवश्यक 138 से कहीं अधिक है। एनसी अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा पहले ही नेपाल के अगले प्रधान मंत्री के रूप में ओली का समर्थन कर चुके हैं। संसद में प्रमुख दलों नेपाली कांग्रेस, सीपीएन-यूएमएल और जनता समाजवादी पार्टी ने अपने सांसदों को आज पेश होने वाले विश्वास प्रस्ताव के खिलाफ खड़े होने के लिए व्हिप जारी किया है। ओली के नेतृत्व वाली सीपीएन-यूएमएल ने नेपाली कांग्रेस के साथ सत्ता-साझाकरण समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद पिछले हफ्ते प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस ले लिया। प्रचंड 1996 से 2006 तक हिंसक माओवादी कम्युनिस्ट विद्रोह का नेतृत्व किया, जिसके परिणामस्वरूप 17,000 से अधिक लोग मारे गए। माओवादियों ने अपना सशस्त्र विद्रोह छोड़ दिया, 2006 में संयुक्त राष्ट्र समर्थित शांति प्रक्रिया में शामिल हो गए और मुख्यधारा की राजनीति में प्रवेश कर गए। वह 2008 में प्रधान मंत्री बने लेकिन राष्ट्रपति के साथ मतभेदों के कारण एक साल बाद उन्होंने पद छोड़ दिया। 9 वर्षीय नेता दिसंबर 2022 में अनिर्णायक चुनाव के बाद प्रधान मंत्री बनने के बाद से एक अस्थिर सत्तारूढ़ गठबंधन का नेतृत्व कर रहे थे, जहां उनकी पार्टी तीसरे स्थान पर रही, लेकिन वह एक नया गठबंधन बनाने में कामयाब रहे और प्रधान मंत्री बन गए। अपनी गठबंधन शक्तियों के भीतर असहमति के कारण उन्हें संसद में चार बार विश्वास मत हासिल करना पड़ा। यह संसद में दहल का पांचवां विश्वास मत था।

पीएम मोदी का एक्स पर रिकॉर्ड, पार किया 100 मिलियन फॉलोअर का आंकड़ा

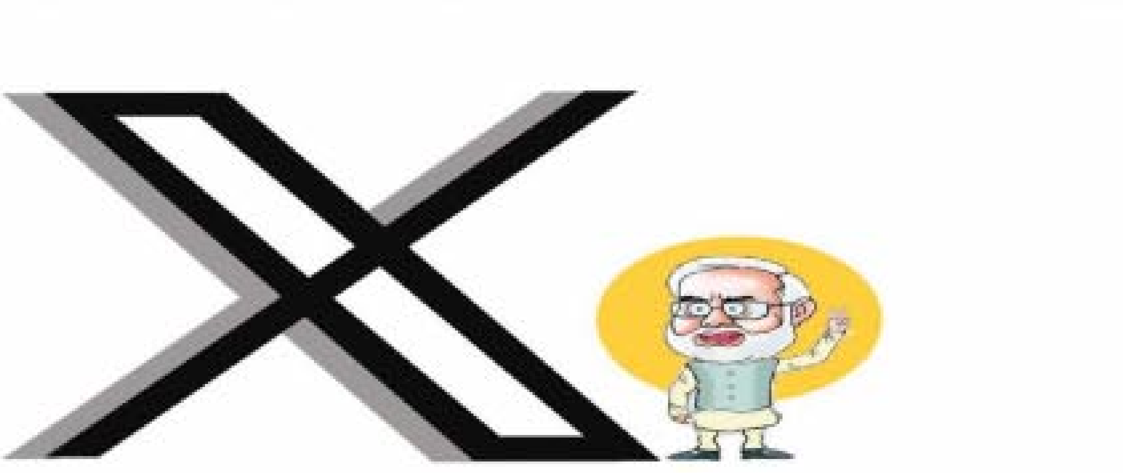

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5298

		4				6		1
		7	2				8	
		9	3					2
			1					9
6	2	1	5		9	4	7	3
5					4			
4					3	5		
	3				2	8		
1		6				3		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5297

5	8	9	6	1	7	3	4	2
2	4	1	3	5	9	8	6	7
3	7	6	8	4	2	9	5	1
4	9	2	7	6	8	1	3	5
6	3	8	1	2	5	7	9	4
7	1	5	9	3	4	6	2	8
8	2	3	4	9	1	5	7	6
9	5	7	2	8	6	4	1	3
1	6	4	5	7	3	2	8	9

वर्ग पहेली 5298

संकेत: बाएं से दाएं

1. भारत के छठे प्रधानमंत्री जो स्वाधीनता के सेनानी थे इनका निधन 10 अप्रैल 1995 को हुआ था (7)
6. किसी भी पक्ष की तीसरी तिथि (2)
7. [illegible] (2)
8. [illegible] (2)
9. भर्त्सना, धिक्कार, तिरस्कार (3)
11. मेघ विद्युत, [illegible] (3)
13. मिलावट, [illegible] (2)
15. प्रसिद्धि, शोहरत, ख्याति (2)
18. भाग्य, तकदीर (3)
20. [illegible] (3)
21. [illegible] (3)
22. [illegible], सुंदर रूप वाला (4)
24. यह शब्द क्रिकेट से संबंधित है (2)
25. लोहे का अर्धचंद्राकार टुकड़ा (2)
26. शास्त्रीय संगीत में पंचम स्वर (1)

ऊपर से नीचे

1. हमारे प्रथम प्रधानमंत्री के पिता (7)
2. राजा के लिए प्रयुक्त शब्द (3)
3. यह करिश्मा कपूर की अभिनेत्री मां बबीता की अंतिम फिल्म थी, [illegible] (2)
4. यह शरतचंद्र चटर्जी की प्रसिद्ध कृति है (4)
5. मां दुर्गा को यह भी कहते हैं (3)
10. सद्गति प्राप्त करना, भवसागर से पार उतरना (3)
12. सबसे प्रेमपूर्वक मिलने-जुलने वाला (5)
14. [illegible] (3)
16. विलाप करना, [illegible] (4)
17. [illegible], परिकलन (3)
19. आर्द्रता, नमीपन (3)
23. क्रय-विक्रय की वस्तु, [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5297 का हल

इ	रा	न		शा	ह	द	
श्य	म	न		क्र	जो	धा	म
र		सा	हि	र		खा	दे
आ	तु	र	ता		प	ना	
झा	त		हि	सा	ब		ब
	ला	ग	रा		रा	ज	द
ज	ना	ब			ह	या	त
न		न	ट	खा	ट		र

चक्रव्यूह में श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर-जैन

संगठित भूमाफिया कर रहे मंदिरों, गोचर और सरकारी जमीनों, नालों का चीरहरण, कैसे बचाएंगे मोहन...!

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। संगठित भूमाफिया कर रहे मंदिरों, गोचर और सरकारी जमीनों नालो का चीर हरण कैसे बचाएंगे मोहन... इन माफियों से प्रदेष को। उक्त आरोप लगाते हुवे कांग्रेस नेता कमलेश जैन ने बताया की प्राचीन मंदिर और ऐतिहासिक धरोहरें नहीं है सुरक्षित, मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देशों की मंदसौर जिला प्रशासन और नगरपालिका उड़ा रहा धज्जियां अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद। शासकीय गोचर, मंदिर की जमीनो और सरकारी नालो को हड़पने के व्यापार में कहां खो गया मंदसौर का सुशासन। भ्रष्टाचार और रसूखदारी की आड़ में पनप रहे हैं संगठित भूमाफिया मंदिरों नालों और चरनोई की जमीनों को हड़प कर निजी स्वार्थ सिद्ध करने वालों की वजह से हाल में सम्पन्न हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को मंदसौर में हार का सामना करना पड़ा धर्म की जय हो अधर्म का नाश हो की हुंकार भरने वाले धर्म प्रेमियों का भी भाजपा से हो रहा है मोह भंग शहर के गौरवशाली गणपति चैक की प्राचीन भव्यता पर लगे टाट के पेबंध को सत्ताधारी नेताओ के इशारे पर कब तक बचाया जाएगा आखिर वो कौन नेता हैं जिसके दबाव में फर्जी और अस्तित्वहीन दस्तावेजों को ढाल बना कर मंदिर को नुकसान पहुंचाने वाले लोगो को बचाया जा रहा है। जंनकुपूरा स्थित भगवान श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर की दुर्दशा किसी से छुपी नहीं है पर सवाल यह है की आखिर सब मौन क्यों है।

श्री जैन ने बताया कि मंदिर के मुख्य द्वार पर अतिक्रमणकारियों ने कब्जा कर एक तरीके से मंदिर के अस्तित्व को ही खत्म कर दिया है और मंदिर की दीवाल पर तो नगरपालिका ने स्वयं ही सार्वजनिक मूत्रालय बना दिया जिस पर हाल ही में न्यायालय ने मंदिर के पक्ष में फैसला दिया है पहले भी दो बार नगरपालिका ने नोटिस नोटिस का खेल खेला लेकिन पूर्व जनप्रतिनिधि के दबाव और आर्थिक स्वार्थ के चलते मंदिर को जीर्ण शीर्ण होने के लिए छोड़ दिया गया ताकि मंदिर का अस्तित्व खत्म हो और मंदिरों की जमीन के लालची उन जमीनों को सरे बाजार नोच कर डकार सके। सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दे रही हैं लेकिन मंदसौर का जिला प्रशासन और नगरपालिका ऐसे में 500 वर्ष पुराने श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर का जीर्णोद्धार कर पशुपतिनाथ आने वाले दर्शनार्थियों को मंदसौर शहर में एक और दार्शनिक स्थान के पर्यटन का सौभाग्य दे सकती है और गणपति चैक की भव्यता भी वापस लौट आएगी साथ ही पुराने जनकुपुरा के डूबते व्यापार को भी सहारा मिलेगा सुशासन का दावा ठोकने वाला राजस्व विभाग और नगरपालिका छोटे-मोटे अतिक्रमण तोड़कर वाह वाही लूट रहा है सबसे बड़ी बात की सारे राजस्व रिकार्ड में मंदिर शासकीय भूमि पर है तो इतने साल से पुजारी अपनी मिल्कियत समझ कर लाखो रुपए किराया केसे डकार गया पुलिस के पास प्रमाणित शिकायत होने के बाद भी पुजारी पर मुकदमा दर्ज क्यों नही किया और वो कोन नेता हैं जो भगवा गमछा डाल कर अपनी राजनेतिक रोटियां संकते है और अपने ही धर्म स्थानों को नुकसान पहुंचाने वाले शरारती तत्वों का साथ देते हैं सार्वजनिक रूप से नारे लगाते हैं की धर्म की जय हो और अधर्म का नाश हो पर पीठ पीछे अधर्मियो का साथ देते हैं।

मंदिर परिसर में पॉलिथीन के उपयोग पर पूर्णतया प्रतिबंध हो

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। गायत्री परिवार एवं वर्क संस्था द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान के तहत श्री पशुपतिनाथ मंदिर के पास स्थित श्री बगलामुखी मंदिर परिसर में साफ-सफाई की। यहां श्रमदानियों ने दो घण्टे स्वच्छता अभियान चलाया। वहां व्याप्त करीब एक ट्राली कचरे को निकाला गया। इस मंदिर में जो दर्शनार्थी आते है वह मंदिर के अंदर व बाहर पॉलीथिन, अगरबत्ती के पैकेट इत्यादि वहीं फेंक जाते है। ऐसे में यहां पर डस्टबिन आवश्यक है जिसमें दर्शनार्थी कचरा उसमें डाले। साथ ही श्रमदानियों ने मंदिर प्रशासन से मांग की कि मंदिर परिसर में पॉलिथीन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा देना चाहिए जिससे गंदगी नहीं होगी और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। इस संबंध में मंदिर प्रबंध समिति, नगरपालिका सहित जिम्मेदारों को ठोस कदम उठाने चाहिये।

गायत्री परिवार व वर्क संस्था के श्रमदानियों ने प्रशासन से मांग की कि मंदिर के आसपास लगी दुकानों को सख्त हिदायत देनी चाहिये कि वह प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग नहीं करें उसकी जगह कपड़े व कागज की थैलियों का उपयोग किया जाये। अगर कोई उपयोग करता है उस पर दण्ड का प्रावधान किया जावे। गायत्री परिवार ने घाटों पर होर्डिंग लगाने की मांग लम्बे समय से कर रखी है जिस पर भी प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया। होर्डिंग व डस्टबिन लगने से घाट पर दर्शनार्थी गंदगी नहीं करेंगे। स्वच्छता अभियान के प्रभारी रमेश सोनी ने बताया कि मंदिर के आसपास दो घंटे श्रमदानियों ने सफाई की है। मंदिर के दर्शन करने आने वाले दर्शनार्थियों को स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिये तथा स्वच्छता अभियान में भी अपना श्रमदान करना चाहिये। डाइट से रिटायर्ड अशोक धनोतिया भी समय देकर इस सफाई अभियान से जुड़े तथा दो घण्टे श्रमदान किया। उन्होंने कहा कि कुछ समय हर व्यक्ति को इस अभियान से जुड़कर कार्य करना चाहये। नगर में स्वच्छता अभियान चलाकर गायत्री परिवार व वर्क संस्था पुनीत कार्य कर रहे है। रिटायर्ड अधिकारी बाबूलाल चौहान जो की इस अभियान में एक साल से जुड़कर कार्य कर रहे है। स्वच्छता अभियान चलाकर नगर, बगीचे व धार्मिक स्थलों की स्वच्छता प्रदान करने में काफी अच्छा लगता है। सबको जुडना चाहिये। अच्छी सोच अच्छा कार्य होगा। वर्क संस्था के सदस्य फिरोज हुसैन ने हम गायत्री परिवार से जुड़कर पर्यावरण व स्वच्छता को लेकर कार्य कर रहे है। यह नेक कार्य है। शुद्ध हवा, शुद्ध जल मानव के लिये अति आवश्यक है। सभी इस अभियान से जुड़े। स्वच्छता अभियान में योगेशसिंह सोम, मांगीलाल लक्षकार, फिरोज हुसैन, जफर भाई, उमेद, बाबूलाल चौहान, अशोक धनोतिया, रमेश सोनी, योगेशसिंह, विवेक आदि ने श्रमदान किया। उक्त जानकारी हर्ष शर्मा ने दी।

पीआईसी और परिषद की बैठक जल्द बुलाए नपा-पार्षद बंसल

160 दिन से पीआईसी व 167 दिनों से परिषद की बैठक आहूत नहीं होने से विकास कार्य हुए लंबित

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नगर पालिका परिषद मंदसौर की 160 दिन से पीआईसी और 167 दिनों से नगर पालिका परिषद की बैठक आहूत नहीं होने से शहर के अनेक विकास कार्य स्वीकृति के अभाव में लंबित प्रकरण के कारण नामांकन एवं अनेक मुद्दे भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहे हैं।

ये आरोप पार्षद व समाजसेवी सुनील बंसल ने एक प्रेस वक्तव्य में लगाए हैं। उन्होंने कहा कि नपा परिषद संदेह के घेरे में है। मंदसौर परिषद की मीटिंग 7 मार्च को हुई एवं पीआईसी की मीटिंग 28 फरवरी 2024 को हुई। इतने लंबे अंतराल के बाद दोनों मीटिंग नगर पालिका सीएमओ सुधीर सिंह के द्वारा नहीं बुलाया जाना चुनी हुई परिषद का अपमान है। परिषद की मीटिंग को आहूत करने के लिए नगर पालिका सीएमओ का दायित्व है कि वह नगरपालिका अध्यक्ष के माध्यम से परिषद का एजेंडा समय पर निकाले। श्री बंसल ने कहा कि हमने देखा है कि पिछली परिषदों में महीने में दो मीटिंग होती थी परंतु वर्तमान में जब से सीएमओ सुधीरकुमार सिह यहां पर है सौ-डेढ सौ दिन पहले कोई भी मीटिंग उनके द्वारा आहूत नहीं की गई है ना ही कमेटी की मीटिंग भी 6 महीने तक आहुत की है उससे मंदसौर शहर के अनेक विकास का अवरूद्ध हो रहा है वहीं कार्य छोटे-छोटे कामों के लिए पार्षद व जनता नगर पालिका के चक्कर लगाते है एवं जिससे भारतीय जनता पार्टी की चुनी परिषद की छवि को धूमिल हो रही है। सीएमओ के कारण जिस प्रकार का खेल रचा रहा हैं उससे भ्रष्टाचार की बू आती है। पार्षद सुनील बंसल ने राज्यसभा सांसद बंसीलाल गुर्जर, सांसद सुधीर गुप्ता एवं विधायक श्री विपिन जैन, नगर पालिका अध्यक्षा रमादेवी गुर्जर, भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष नानालाल अटोलिया व जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर मांग की है कि शीघ्र परिषद एवं पीआईसी की मीटिंग बुलाई जाए एवं जो विभिन्न कमेटी है उनकी मीटिंग भी बुलाकर जितने भी प्रकार है पेंडिंग प्रकरण है उन सभी का निराकरण किया जाए। तथा समय-समय पर समय सीमा में मीटिंग आहुत करे एवं इस प्रकार का एक रोस्टर बनाकर निर्देशित किया जाए ताकि नगर पालिका की छवि साफ सुथरी जनता के बीच दिखे एवं शहर के विकास के कामों में गति आ सके। शहर के अनेक बहुत छोटे बडे के विकास के मुददे जो पेंडिंग है वह इस परिषद में और पीआईसी में जोड़े जाएं। वार्ड के विभिन्न बगीचों में बच्चों के खेलकूद के साधन, दशपुर कुंज में मिनी ट्रेन का प्रस्ताव मंदसौर शहर में पार्किंग के लिए व्यवस्था एवं नगर की नगर पालिका की जो संपत्ति है उनकी छतो की नीलामी, पं. गजा महाराज कांप्लेक्स का पुनर्निर्माण आदि ऐसे अनेक प्रकरण है जो शहर के सौंदर्यीकरण में सहायक होंगे एवं जो पुरानी बस्तियां हैं उनमें 10 लाख के जनरल के काम की झौनल स्वीकृति परिषद से ली जाए ताकि कामों को गति मिले। पार्षद सुनील बंसल ने मांग की है की शीघ्रता से अध्यक्ष महोदय परिषद तथा पीआईसी की मीटिंग के लिए सीएमओ को आदेशित करें एवं नगर पालिका एक्ट का पालन कराएं।

मलेरिया प्रभावित क्षेत्र में होगा होम्योपैथिक मेडिसीन का वितरण

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शासन के आदेश अनुसार जिला आयुष अधिकारी मंदसौर डॉ. कमलेश धनोतिया द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मलेरिया प्रभावित क्षेत्र में होम्योपैथिक मेडिसिन मलेरिया ओएफएफ 200 वितरित किया जाना है। यह कार्यक्रम दो चरणों में संपादित होगा प्रथम चरण दिनांक 18 जुलाई, 25 जुलाई एवं 1 अगस्त को संपादित होना है। इस हेतु सभी नोडल अधिकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों में कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी। इसी तारतम्य में मंगलवार को ग्राम पानपुर में डॉ. नेहा मेहरा सहायक नोडल अधिकारी द्वारा संबंधित कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी गई।

गुर्जरबर्डिया की अंशिता माहेश्वरी सीए बनीं

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आजकल हर क्षेत्र में लड़कियां बाजी मार रही है ग्रामीण क्षेत्र से भी शिक्षा के क्षेत्र में बेटिया काफी आगे निकल रही है। समीपस्थ ग्राम गुर्जरबर्डिया निवासी नंदकिशोर माहेश्वरी की पुत्री अंशिका ने सीए की परिक्षा उत्तीर्ण कर परिवार और गांव का नाम रोशन किया है। अंशिता ने मंदसौर से पढ़ाई करते हुए सीए की विशेष कोचिंग के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त किया और आज सीए बनकर दादाजी नागेश्वर कालानी और परिवार का नाम रोशन करने पर ग्राम वासियों ने बधाई देते हुए उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

मेनपुरिया बालाजी मंदिर में बनेगी पानी की टंकी

मेनपुरिया, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला पंचायत सदस्य दीपक सिंह गुर्जर द्वारा मेनपुरीया बालाजी मंदिर परिसर हुई मीटिंग ग्रामीणों में दीपक सिंह गुर्जर को बालाजी मंदिर में नए कार्यों की मांग की ग्रामीण कहां की पानी की टंकी की आवश्यकता है। व बालाजी मंदिर के चारों और तार पेचिंग कर पेड़ पौधे लगाएंगे और उन्हें बड़ा करने की जिम्मेदारी भी लेंगे एवं ग्रामीणों ने लेट बात की भी मांग करी। एवं जिला पंचायत सदस्य दीपक सिंह गुर्जर ने ग्राम वासियों को नए कार्यों की सौगात को शुरू करने की बात कई और मीटिंग में मौजूद रहे। सुरेश धनगर, उंकार लाल माली, जीवन राठौर, राहुल धनगर, गगन माली, शैलेश माली, विनोद माली, किशोर माली, कचरू लाल माली। एवं सभी ग्रामवासी उपस्थित रहे।

नायक समाज प्रतिभा सम्मान समारोह समारोह सम्पन्न

पिपलियामंडी, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नायक समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह बही पार्श्वनाथ में सम्पन्न हुआ। जिसमें 10 वीं 12 वीं कक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर प्रथम रही वर्षा श्रीपाल नायक, द्वितीय सपना समरथ बामनिया नीमच व तरुणा ईश्वरलाल सूंठोद, तृतीय विनोद पिता मांगीलाल नायक लसुड़िया राठौर को नकद राशि व प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। इस अवसर पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ, जिसमें 85 बालक-बालिकाओं ने भाग लिया। अखिल भारतीय नायक समाज प्रदेशाध्यक्ष भगतराम नायक सहित अतिथियों ने समाजोत्थान पर विचार रखे। अतिथि जनपद सदस्य प्रकाश राठौर, श्यामलाल मालवीय, प्रकाश पाटीदार, फूलसिंह कामलिया, उम्मेदसिंह सिंदपन, प्रतापसिंह, दारासिंह, विनोदसिंह, हेमन्त सोनी, गोविन्द, प्रकाश, देवीलाल, संदीप मुजावदिया, जेपी तेलकार आदि थे। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष दिलीप राठौड़ कामलिया, प्रतापगढ़ जिलाध्यक्ष राधेश्याम, खेमराज, देवेन्द्र, रामेश्वर, देवीलाल, नीलेश फौजी, भेरुलाल वारियर, अरुण, राजेश, प्रदीप, अजय आदि उपस्थित रहे। संचालन प्रकाश व घीसालाल नायक ने किया। आभार दिलीप राठौड ने माना।

जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 22 को 50 हजार से अधिक पौधे रौपे जाएंगे-जैन

पौधारोपण की सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करें, कलेक्टर ने जिला अधिकारियों की बैठक में दिए निर्देश

नीमच, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले में 22 जुलाई 2024 को सभी ग्राम पंचायतों में 200-200 पौधे रौपे जाएंगे। एक पेड मॉ के नाम अभियान के तहत सभी पंचायतों में 50 हजार से अधिक पौधे रौपे जाएंगे। रोपित पौधो को अंकुर वायुदूत एप्प पर अपलोड अवश्य करवाएं। सभी विभागों के जिला अधिकारी 22 जुलाई से पहले पौधा रोपण की सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर लें। यह बात कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में मंगलवार को आयोजित जिला अधिकारियों की बैठक में एक पेड मॉ के नाम अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कही। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

हरित भादवामाता अभियान 19 को:- बैठक में कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने बताया, कि हरित भादवामाता अभियान के तहत जवासा से भादवामाता तक 19 जुलाई को 1200 से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। भादवामाता संस्थान एवं जनपद पंचायत पौधारोपण की सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर अवगत कराए। जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में 22 जुलाई को 50-50 पौधे लगाये जाएंगे। राशन दुकानों पर भी पौधारोपण किया जावेगा।

पंचायतों में अंकुर उपवन:- बैठक में बताया गया कि जिले की सभी 246 ग्राम पंचायतों में अंकुर उपवन विकसित करने की सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई है। आगामी 22 जुलाई को ग्राम पंचायतों में अंकुर उपवन में 200-200 पौधे रौपे जाएंगे। अंकुर उपवन के लिए चिन्हित स्थानों पर पौधारोपण के लिए गड्ढों की खुदाई, वापर फेंसिंग एवं पौधो की व्यवस्था कर ली गई है।

सभी शालाओं में पौधा रोपण:- एक पेड मॉ के नाम अभियान के तहत जिले की सभी 310 शालाओं के परिसरों में 50-50 पौधे लगाए जावेंगे। सभी शालाओं में एक साथ 2 अगस्त2 को पौधा रोपण किया जावेगा। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कृषि विभाग किसानों को प्रेरित कर सभी किसानों से 10-10 पौधे अनिवार्य रूप से लगवाये। साथ ही सभी पटवारी भी अपने क्षेत्र में पचास-पचास किसानो को प्रेरित कर पौधा रोपण करवाये।

जिले में 20 सितम्बर को रक्तदान महाअभियान:- कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने कहा कि आगामी 20 सितम्बर को जिले में रक्तदान महाअभियान आयोजित किया जा रहा है। रक्तदान महाअभियान में पहली बार रक्तदान

करने वाले रक्तदान दाताओं को प्रेरित कर रक्तरदान के लिए उनकी सहमति ली जावेगी और 20 सितम्बर को उनसे रक्तदान करवाया जाएगा। कलेक्टर ने कालेजों के विद्यार्थियों और आईटीआई विद्यार्थियों को प्रथम बार रक्तदानदाता बनने के लिए प्रेरित कर, रक्तदान करवाने के निर्देश संबंधित प्राचार्यो को दिए है।

सी.एम.हेल्पलाईन में सभी विभाग रैंक सुधारे:- बैठक में कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने सीएम हेल्पलाईन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की विभागवार समीक्षा की। उन्होने नगर परिषद अठाना, मनासा, डीकेन, नयागांव, सिंगोली, रतनगढ व्दारा सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों का निराकरण कर अपनी रैंक में सुधार के लिए किए गऐ प्रयासों की सराहना की। कलेक्टर ने सीएम हेल्प लाईन में न.प.जावद, रामपुरा, नीमच को विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी विभागों को 50 दिवस से उपर की सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों को प्राथमिकता से निराकरण करने और विभाग की रैंक में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होने कहा, कि सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों के निराकरण का प्रतिशत 70 से कम ना रहे।

राष्ट्रीय स्तरीय टोली नायक कैंपूरी के लिए उपमुख्यमंत्री को निमंत्रण दिया

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। हिंदुस्तान स्काउट एवं गाइड संपूर्ण देश में अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती वर्ष मना रहा है। इसी के अंतर्गत हिंदुस्तान स्काउट गाइड मध्य प्रदेश राज्य के द्वारा भी आगामी नवंबर माह में राज्य स्तरीय रजत जयंती केमपुरी 2024 का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारने हेतु मध्य प्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री महोदय श्री जगदीश जी देवड़ा से राज्य स्तरीय प्रतिनिधिमंडल में मुलाकात कर उन्हें केमपुरी में आने हेतु निमंत्रण दिया। राज्य स्तरीय प्रतिनिधि मंडल में राज्य मुख्यालय आयुक्त डॉ क्षितिज पुरोहित, राज्य अध्यक्ष डॉक्टर विजय सिंह पुरावत ,राज्य सचिव गणेश शर्मा ,राज्य कोषाध्यक्ष जितेंद्र कन्नौजिया एवं सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट उज्जैन संभाग शुभम यादव ने माननीय उपमुख्यमंत्री महोदय का अभिनंदन कर उन्हें कैंमपुरी में पधारने हेतु निवेदन किया एवं आमंत्रण पत्र भेट किया।

गुरु के प्रति सम्मान का दिन गुरु पूर्णिमा...

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। गुरु पूर्णिमा अर्थात अंधकार से प्रकाश की और, अज्ञान से ज्ञान की और यात्रा और स्वाभिमान को जाग्रत कराने वाले परम प्रवर्तक के लिए नमन दिवस। जो हमे अपने आत्मबोध, आत्मज्ञान और आत्मगोरव का भान कराकर हमारी क्षमता के अनुरूप जीवन यात्रा का मार्गदर्शन करे वे गुरु हे।

पत्र संपादक के नाम
संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

वे मनुष्य भी हो सकते हे कोई प्रतीक भी अथवा संसार में कोई अन्य प्राणी भी हो सकते हे। ज्ञान दर्शन कराने वाला कोई दृश्य भी हो सकता हे कोई घटना हो सकती हे अथवा कोई ग्रंथ या ध्वज जैसा भी कोई प्रतीक हो सकता हे। अपने इस ज्ञान दाता के प्रति आभार और उनके द्वारा दिए गए ज्ञान से स्वयं के साक्षात्कार करने की तिथि हे गुरु पूर्णिमा। गुरु पूर्णिमा भगवान वेद व्यास की जन्मतिथि भी हे। इस अवसर पर सनातन काल से चली आ रही गुरु परंपरा एवम गुरुओ के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाती हे जिनके कारण ज्ञान निरंतर पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित होता चला आ रहा हे। युगो यूगो से ज्ञान की ज्योति जलाने वाले समाज व देश को मार्गदर्शन देने वाले गुरु का हम इस पवित्र अवसर पर स्मरण व पूजन करते हे। गुरु वह तत्व हे जो अज्ञान के स्वरूप में फैले अंधेरे को समाप्त कर के ज्ञान का दिव्य प्रकाश आलोकित करता हे। गुरु और शिष्य की जोड़ी तो सदियो से चली आ रही हे। जिस प्रकार से भक्त भगवान के बिना और भगवान भक्त के बिना अधूरे हे उसी प्रकार से एक शिष्य अपने गुरु के बिना और गुरु अपने शिष्य के बिना अधूरा हे। संत कबीरदास जी ने कहा हे की गुरु कुम्हार शिष्य कुंभ हे गड़ी गड़ी काढ़े खोट। अंतर हाथ सहार दे बाहर बाहे चोट। गुरु हमारे ज्ञान प्राप्ति के मार्ग में आने वाली आंतरिक तथा बाहरी बाधाओ को दूर करते हे साथ ही जो साधना में सहायक होते हे उसका पोषण करते हे। गुरु अपने शिष्य से उन सारी बातो का समर्पण करवाते हे जो ज्ञान प्राप्ति में बाधक होती हे और उन गुणो को अंगीकार करवाते हे जो ज्ञान प्राप्ति में सहायक होते हे। जिस तरह से बालक के जीवन को आगे बड़ाने का उत्तरदायित्व अभिभावको का होता हे उसी तरह व्यक्तित्व को गड़ने का कार्य गुरुजन करते हे। गुरु का अर्थ केवल शिक्षा देने वाला ही नही अपितु अलग अलग संदर्भों में माता पिता, सांसारिक और व्यवहारिक शिक्षा देने वाले शिक्षक अच्छा बुरा समझने में सहायता करने वाले मित्र भी गुरु ही होते हे। बिना गुरु की दिशा के व्यक्ति राह के पत्थर से अपना पैर चोटिल कर सकता हे जबकि गुरु की कृपा से विवेक व बुद्धि पाने वाला व्यक्ति उसी पत्थर को सीढ़ी बनाकर और उंचा उठने में उसका सहयोग ले लेता हे। मनुष्य को गुरु से प्राप्त ज्ञान व मार्गदर्शन का सदुपयोग परिवार, समाज एवम राष्ट्र की उन्नति के लिए करना चाहिए। इस पवित्र उद्देश्य में गुरु ही हे जो हमारा सहयोग कर सकते हे इसलिए जीवन में प्रत्येक श्रेष्ठव्यक्ति से कुछ सीखिए उन्हे गुरु बनाइए और जीवन को अनंत उंचाइयों की और ले जाइए...।

-गौरव सोनी, मंदसौर

दिनांक 17 जुलाई 2024

अपनी कुण्डली स्वयं देखे- ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ

क्या आप जानते है..?

जातक की जन्म कुंडली में यदि चंद्रमा अच्छा है तो सब अच्छा है व्यक्ति सुख सम्पन्न रहेगा मन से प्रसन्न रहेगा, क्योंकि ज्योतिष के अनुसार पृथ्वी पर सबसे ज्यादा प्रभाव डालने वाला गृह चंद्रमा ही है।

जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना के सभी पात्र आवासहीनों को भू-अधिकार पत्र प्रदान करें-जैन

कलेक्टर ने जनसुनवाई में 108 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री आवासीय भू- अधिकार योजना के तहत पात्रता का परीक्षण कर सभी सभी पात्र आवासहीनों को आबादी क्षेत्र में भूमि स्वामी का भू-अधिकार पत्र प्रदान करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री जैन ने तहसीलदार नीमच को पिपलोन निवासी वेणीराम कुल्मी द्वारा गांव की आबादी में आवासीय पट्टा प्रदान करने सम्बंधी आवेदन पर कार्यवाही करते हुए दिये। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओं श्री गुरूप्रसाद, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़ ने भी आवेदकों की समस्याए सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में कलेक्टर श्री जैन ने 108 आवेदकों की समस्याएं सुनकर, उनका निराकरण करने के निर्देश सम्बंधित जिला अधिकारियों को दिए।

जनसुनवाई में कलेक्टर श्री जैन ने ग्वालदेवीया निवासी गोपाल गुर्जर के आवेदन पर समग्र स्वच्छता अभियान के तहत पात्रता का परीक्षण कर, आवेदक को शौचालय निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने के निर्देश जनपद सीईओं को दिए। कलेक्टर ने सीएमओं नीमच को सेवानिवृत सोनाबाई को नवम्बर 2023 से बकाया पेंशन का तत्काल भुगतान करने के निर्देश दिए। ग्राम लसुडीयां आंत्री के मुकेश गुर्जर के आवेदन पर उसकी निजी जमीन पर जबरन कब्जा करने वालों बोई फसल नष्टकरने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश थाना प्रभारी को दिए। कलेक्टर ने जनसुनवाई में बिसलवास खुर्द के बाबुलाल रामलाल को नि:शुल्क विधिक सहायता एवं अभिभाषक की सुविधा उपलब्ध करने के निर्देश जिला विधिक सहायता अधिकारी को दिये। कलेक्टर श्री जैन ने जिला शिक्षा अधिकारी नीमच को निर्देश दिए, कि शा.बा.उ.मा. वि.रतनगढ़ में अतिथि शिक्षक वर्ग-1 (रसायन) की भर्ती एवं पेनल की जांच करे, कि प्राचार्य द्वारा अतिथि शिक्षक की निम्नानुसार भर्ती की या नही ? जनसुनवाई में नीमच की रामीबाई,

चीताखेड़ा की नानीबाई, नीमच सीटी के विनोद चौधरी, घसुण्डी-बामनी के मांगीलाल, कुकडेश्वर के गोपाल पिता हीरालाल, अखैपुर के रूपचंद, मनासा के हरिराम, घसुण्डी-बामनी के सोहनलाल, कनावटी के चम्पालाल, नीमच की सुनीता कुचबंदिया, नीमच के अशोक जौहरी, भरभडिय़ा के दशरथ, बिसलवास कला के कमलदास बैरागी, बावल के दिनेश रैगर, रामपुरा के विष्णु मीणा, रामपुरा के मदन मीणा, उगरान के जीवनदास, रामपुरा के मुकेश गौड़, जमुनिया रावजी की शोरमकुंवर, हिंगौरिया के नीलेश चौहान, धोकलखेड़ा के वजेराम कुमावत, रामपुरा की संतोषीबाई, सिंगोली की जमनीबाई, मनासा के गोपाल मीणा, धोकलखेड़ा के रामनिवास, मोड़ी के मोड़ीराम मेघवाल, रामपुरा के मांगीलाल चारण, रतनगढ़के दिनेश खटीक, कनावटी के सुरेश धानुक, दौलतपुरा जाट के शांतिलाल प्रजापत, सिंगोली की सोना भील, नीमच की सीमा गर्ग, भगवानपुरा जावद के रामदेव ने भी अपनी समस्यांओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर समस्याएं सुनाई।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	40	2455	2550
उडद	12	4601	7200
सोयाबीन	4100	3800	4490
गैहु	2808	2611	3132
चना	270	5501	6601
मसुर	114	5800	6211
धनिया	150	4500	7180
लहसुन	12400	4501	20500
मैथी	380	42000	5809
अलसी	680	5500	6030
सरसो	186	4641	5390
तारामीरा	1	4411	4411
इसबगोल	68	10280	13112
प्याज	1690	1200	2801
कलोंजी	8	8384	18253
डॉलर	15	7201	11851
तिल्ली	48	10000	12381
मटरसुखी	8	4590	6551
असालीया	1	5350	5350

ग्रामोद्योग को रोजगारोन्मुखी शिक्षा से जोड़ने के विशेष प्रयास जारी

प्रदेश में 17 हजार 597 हाथकरघों पर हो रहा साड़ियों व अन्य वस्त्रों का उत्पादन, गत वर्ष 33,480 बुनकरों को मिला रोजगार, इस वर्ष 40 हजार से अधिक को रोजगार देने का लक्ष्य

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में हाथकरघा एवं हस्तशिल्प क्षेत्र में रोजगार के नये अवसरों के सृजन के लिये नवाचार किये जा रहे हैं। ग्राम उत्थान एवं स्व-रोजगार सृजन के लिये ग्रामीण उद्योगों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया है। राज्य सरकार परम्परागत ग्रामोद्योगों के संरक्षण, कल्याण एवं समग्र विकास के माध्यम से रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिये लगातार प्रयास कर रही है। प्रदेश में कुटीर एवं ग्रामोद्योगों के विकास के लिए हाथकरघा एवं हस्तशिल्प संचालनालय द्वारा विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। बुनकरों एवं शिल्पियों को प्राचीन उत्कृष्ट बुनाई एवं शिल्पकला की सुप्रसिद्ध परम्परा को समृद्ध बनाने, हाथकरघा बुनकरों एवं शिल्पियों को सतत् रोजगार उपलब्ध कराने तथा नये जरुरतमन्दों को हाथकरघा/हस्तशिल्प उद्योग से जोड़ने सहित सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिये हर जरूरी कदम उठाये जा रहे हैं।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों की आधुनिक परिवेश की बदली हुई मांगों के अनुरूप हाथकरघा एवं हस्तशिल्प क्षेत्र के उत्पादों की गुणवत्ता व पारम्परिक उत्पादों की किस्मों में सुधार लाने की दिशा में काम हो रहा है। कुटीर एवं ग्रामोद्योग उत्पादों को देशी-विदेशी बाजारों में प्रतिस्पर्धा योग्य बनाने के लिए उन्नत प्रशिक्षण, तकनीकी उन्नयन, उत्पाद विकास हेतु प्रदेश के बुनकरों एवं शिल्पियों को समुचित सहायता दी जा रही है। हाथकरघा व हस्तशिल्प उत्पादों के विपणन के लिए जिला/प्रदेश के महानगरों एवं प्रदेश के बाहर के महानगरों में मेला/प्रदर्शनी/एक्सपो के आयोजन के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के साथ मार्केट लिंकेज की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदेश में वर्तमान में 17 हजार 597 करघों पर सुविख्यात हाथकरघा वस्त्र जैसे चन्देरी एवं महेश्वरी साड़ियां, ड्रेस मटेरियल, होम फर्निशिंग, बेडशीट एवं शासकीय विभागों में प्रायः उपयोग में आने वाले वस्त्रों का वृहद स्तर पर उत्पादन किया जा रहा है। इन हाथकरघों के जरिये गत वित्तीय वर्ष में लगभग 33 हजार 480 बुनकरों को रोजगार उपलब्ध कराया गया।

हाथकरघा एवं हस्तशिल्प सेक्टर के लिए एकीकृत क्लस्टर विकास कार्यक्रम–हाथकरघा एवं हस्तशिल्प सेक्टर के लिये एकीकृत क्लस्टर विकास कार्यक्रम में परम्परागत रूप से कार्यरत बुनकरों एवं शिल्पियों को उनकी आय एवं उत्पादकता में वृद्धि के लिए देशी-विदेशी बाजारों की मांग के अनुरूप उत्पाद बनाने के लिये समुन्नत तकनीक का कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जायेगा। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में एकीकृत क्लस्टर विकास कार्यक्रम के लिये एक करोड़ 17 लाख रुपये आवंटित किये गये हैं। राज्य के प्रमुख क्लस्टरों में बुनियादी सुविधाओं के विकास के साथ-साथ उत्पाद विकास, उन्नत किस्मों/डिजाइन्स के विकास के लिए प्रशिक्षण वर्कशॉप एवं सेमिनार भी आयोजित किये जाएंगे।

कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम–कुटीर एवं ग्रामोद्योगों के जरिये स्व-रोजगार/रोजगार के नये अवसरों के सृजन के लिए हितग्राहियों को विभिन्न ट्रेड्स में कौशल विकास प्रशिक्षण सहित उन्नत उपकरण भी दिये जाते हैं। विगत वित्तीय वर्ष 2023-24 में 750 के सालाना लक्ष्य के विरुद्ध 262 हितग्राहियों को कौशल विकास प्रशिक्षण एवं 311 हितग्राहियों को करघा एवं उन्नत उपकरण दिये गये। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में इस कार्यक्रम के लिये एक करोड 80 लाख रुपये बजट आरक्षित किया गया है। इस वर्ष लगभग 922 हितग्राहियों को कौशल विकास प्रशिक्षण एवं उन्नत उपकरण दिये जाएंगे।

कौशल एवं तकनीकी विकास प्रशिक्षण एवं विपणन कार्यक्रम–विभाग द्वारा हाथकरघा एवं हस्तशिल्प क्षेत्र के लिये कौशल, तकनीकी विकास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा हस्तशिल्प क्षेत्र के लिये विपणन सहायता योजना संचालित की जा रही है। इन योजनाओं में वित्त वर्ष 2024-25 में क्रमशः एक करोड 80 लाख रूपये एवं 50 लाख रूपये बजट दिया गया है। इससे हाथकरघा बुनकरों एवं हस्तशिल्पयों के लिऐ कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम, उन्नत करघे व उपकरण प्रदाय के अलावा उत्पाद की मार्केटिंग के लिये प्रदर्शनी का आयोजन तथा प्रदर्शनियों व एक्सपो में भागीदारी के लिये वित्त सहायता उपलब्ध करायी जायेगी। इस कार्यक्रम से प्रदेश के बुनकरों एवं शिल्पियों का आर्थिक व सामाजिक उत्थान संभव होगा। हाथकरघा घटक के तहत बुनियादी/कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम में गत वित्त वर्ष 2023-24 में 573 हितग्राहियों को कौशल विकास प्रशिक्षण दिया गया। वर्तमान वित्तीय वर्ष के अंत तक इस कार्यक्रम से 1056 हितग्राहियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य है। इसी तरह हाथकरघा से रोजगार सृजन कार्यक्रम में गत वित्त वर्ष 2023-24 में 33 हजार 480 बुनकरों व कारीगरों को रोजगार दिया गया। विभाग द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंत तक 40 हजार से अधिक बुनकरों व कारीगरों को सीधे रोजगार उपलब्ध कराने के लक्ष्य पर तेजी से काम किया जा रहा है।

बैठक: पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में वाहन खड़ा न करें-कलेक्टर

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव की अध्यक्षता में भगवान पशुपतिनाथ मंदिर प्रबंध समिति की बैठक पशुपतिनाथ सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री यादव ने निर्देश देते हुए कहा कि मंदिर परिसर में कोई भी वाहन खड़ा न किया जाए, इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखे। वाहन निश्चित पार्किंग पर ही खडे हो इस बात को सुनिश्चित करें। पीडब्ल्यूडी विभाग मंदिर परिसर में बहुत अच्छे से बैरीगेटिंग करें। श्रावण माह के दौरान पशुपतिनाथ लोक निर्माण कार्य का काम अंदर से बंद रखें एवं बाहर कार्य लगातार चलने दे। पशुपतिनाथ लोक निर्माण एजेंसी सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य करें। दर्शन करने आने वाले भक्त जनों को किसी प्रकार की चोट न लगे। इसका विशेष तौर पर ध्यान रखा जाए। नगर पालिका श्रावण माह के दौरान अधिक से अधिक संख्या में चलित शौचालय लगाए। होमगार्ड विभाग नदी के आसपास गोताखोरों को पर्याप्त मात्रा में तैनात करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए एक टीम लगाए तथा 24 घंटे एंबुलेंस वहां रहे। मंदिर साफ सफाई व्यवस्था बेहतर हो इसका विशेष तौर पर ध्यान दिया जाए। साफ-सफाई के दौरान काम नहीं करने वाले कर्मचारियों को हटाने की कार्यवाही करें। कर्मचारियों के कार्य को देखकर उन्हें दैनिक वेतन प्रदान करें। बैठक के पश्चात पशुपतिनाथ लोक निर्माण कार्य, मंदिर परिसर एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि मंदिर के अंदर जो दुकान लगी है उनके बाहर जो सामग्री है उनको दुकानों के अंदर रखवाएं। निर्माण एजेंसी को निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य डिजाइन अनुसार करें एवं कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ करें। कार्य में लापरवाही ना करें। दीवारों पर जो डिजाइन के पत्थर लगाने है वह पत्थर उच्च गुणवत्ता के हो इस बात का विशेष ध्यान रखें। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक श्री अनुराग सुजानिया, मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल सहित अन्य सभी अधिकारी, कर्मचारी मौजूद थे।

एसडीएम स्तर की जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों को तुरंत ऑनलाइन दर्ज करें-कलेक्टर

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर सभागार में जिला स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने सभी एसडीएम को निर्देश देते हुए कहा कि एसडीएम स्तर पर होने वाली जनसुनवाई में जितने भी आवेदन आते हैं, उनका उसी दिन ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज करें। जिससे आवेदनों की निगरानी की जा सके। अब तक जितने भी आवेदन आए हैं उनको तुरंत ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज करें तथा सभी एसडीएम शाम तक रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जनसुनवाई के जितने भी आवेदन लंबित है। उनका एक सप्ताह के अंतर्गत समाधान करें। आगामी जनसुनवाई तक एक भी आवेदन लंबित नहीं रहना चाहिए। सभी एसडीएम ये देखे की तहसीलदार स्तर पर आने वाले आवेदन की जांच करें तथा देखें की आवेदनों का निराकरण किया गया है या नहीं। सभी सीएमओ एवं सीईओ एसडीएम कार्यालय या तहसील कार्यालय जहा पर जनसुनवाई होती है वहा बैठे तथा वहीं से आम जनों की समस्याओं का समाधान करें। आज जनसुनवाई में कुल 107 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, सभी जिलाधिकारी मौजूद थे।

पिचहत्तर वाहन के साथ पांच सौ गोवंश राजसात

रतलाम, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। रतलाम जिला प्रशासन ने मध्यप्रदेश गोवंश वध प्रतिषेध अधिनियम एवं पशु क्रूरता अधिनियम अंतर्गत जिले में बड़ी कार्रवाई की है। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र में पंजीबद्ध किए गए 65 अपराधिक प्रकरणों में जप्त शुदा 75 वाहनों को राजसात किया है। इसके साथ ही 500 गोवंश को भी राजसात किया है।यह कार्रवाई कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी राजेश बाथम के मार्गदर्शन में अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी अपर कलेक्टर आरएस मंडलोई ने की है। जप्त वाहनों तथा गोवंश का अनुमानित मूल्य 7 करोड रुपए है।जिले के पुलिस थाना क्षेत्र माणकचौक, औद्योगिक क्षेत्र, थाना जावरा शहर, औद्योगिक क्षेत्र जावरा, रिंगनो, बड़ावदा, आलोट, ताल, बरखेड़ा कला, सैलाना, रावटी, नामली, बिलपांक में मध्य प्रदेश गोवंश वध प्रतिषेध अधिनियम एवं पशु क्रूरता अधिनियम अंतर्गत पंजीकृत अपराधों में राजसात की कार्रवाई की है।

रतलाम के चैतन्य टेक्नो स्कूल पर कलेक्टर ने लगाया 2 लाख का जुर्माना, मान्यता भी होगी रद्द

रतलाम, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला कलेक्टर ने डेलनपुर स्थित श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल पर 2 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही प्रशासन को स्कूल की मान्यता निरस्त करने के लिए पत्र भी लिखा है। कलेक्टर ने ये कार्रवाई स्कूल परिसर से ही शिक्षण सामग्री बेचने मामले में की है। छापे में मिली शिक्षण सामग्री के बाद दिए गए नोटिस में स्कूल ने अपनी गलती स्वीकार की थी।

शिकायत के बाद छापे की कार्रवाई–प्रशासन को श्री चेतन्य टैक्नो स्कूल से ही सीधे किताबें, यूनिफार्म आदि बेचे जाने की शिकायत मिली थी। इस पर सात जुलाई को प्रशासन के दल ने कार्रवाई की थी। इस दौरान शिक्षण सामग्री लेने आए कुछ अभिभावक भी वहां मिले थे। कार्रवाई के दौरान सामग्री बरामद करने के लिए प्रशासन दल को स्कूल भवन के कक्ष का ताला भी तोड़ना पड़ा था।

क्लासरूम में मिली थी ड्रेस, बेल्ट, टाई समेत स्कूली सामग्री–प्रशासनिक टीम ने स्कूल के ग्राउंड फ्लोर के तीन कक्षों एवं प्रथम तल के एक कक्ष से 304 पैकेट बरामद किए थे। इन पैकेट में स्कूल ड्रेस, बेल्ट, टाई, मोजे, 295 पैकेट स्वेटर, कक्षा पहली से दसवीं तक की 366 बंडल किताबें, किताबों के नौ पैकेट, तीन कॉपी के बंडल थे। समस्त सामग्री सील करके जिला शिक्षा अधिकारी के सुपुर्द की गई थी।

नोटिस में स्कूल ने मानी है गलती–जिला शिक्षा अधिकारी से मिले प्रतिवेदन के बाद कलेक्टर ने स्कूल प्रबंधन को नोटिस जारी कर 12 जुलाई तक जवाब मांगा था। जवाब में स्कूल प्रबंधन ने अपनी गलती स्वीकार की है।

जुर्माने की कार्रवाई अधिकतम सीमा तक की गई है, लेकिन स्कूल का कृत्य गंभीर है। इसलिए शासन को मान्यता समाप्त करने के लिए पत्र भी लिखा गया है।

राजेश बाथम, कलेक्टर, रतलाम

मोबाईल प्रेम से दिमाग में केमिकल लोचा..!

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर सहित प्रदेश के कई अस्पतालों में ऐसे युवा मरीज पहुंच रहे जिन्हें अक्सर मोबाइल फोन की रिंगटोन बजती सुनाई देती है। वे बार-बार अपना फोन चेक करते हैं, लेकिन हकीकत में वह साइलेंट होता है। न ही कोई कॉल आ रही होती है, न कोई मैसेज। चिकित्सकों के अनुसार यह फैंटम वाइब्रेशन सिंड्रोम बीमारी है। जो मोबाइल फोन का ज्यादा इस्तेमाल करने से हो रही है।

ऐसी चीज महसूस करना जो असल में है ही नहीं–फैंटम वाइब्रेशन सिंड्रोम से एंग्जायटी डिसऑर्डर बढ़ रहा है। इसे टैक्टाइल हेलुसिनेशन कहते हैं, यानी ऐसी चीज को महसूस करना, जो असल में होती ही नहीं है। इसे लर्ड बॉडिली हैबिट्स भी कहा जा रहा है।

क्या है ये बीमारी–फैंटम वाइब्रेशन सिंड्रोम की अनुभूति गैजेट्स के ज्यादा प्रयोग से होता है। यह वैसा ही जैसे फैंटम लिंब सिंड्रोम में हाथ-पैर कट चुके व्यक्ति को लगता है कि खुजली हो रही है, जबकि वो अंग है ही नहीं।

डॉ. आशीष कुमार रस्तोगी

मोबाइल का यूज कर दें कम–फैंटम वाइब्रेशन सिंड्रोम से बचना है तो मोबाइल का उपयोग कम करें। खेल-कूद, मेल-मिलाप और योग-व्यायाम आदि को जीवन में शामिल करें।

डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी, मनोचिकित्सक

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

नीमच, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले के बघाना थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले कंचन नगर कॉलोनी में आज यानी मंगलवार को एक 35 वर्षीय युवक ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना 16 जुलाई दोपहर की है। जब युवक घर पर अकेला था बच्चे स्कूल गए थे और पत्नी आंगनवाड़ी में कई हुई थी। इसी दौरान अज्ञात कारण के चलते युवक ने घर में फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि घटना की जानकारी तब हुई जब ससुराल पक्ष के परिजनों ने किसी काम के सिलसिले में युवक को फोन किया। काफी बार फोन करने पर उसने नहीं उठाया तो वे घर पर पहुंचे। जहां उन्हें युवक को पार्टी के फंदे पर लटका देखा।जिसे तुरंत फंदे से उतार कर नीमच जिला चिकित्सालय लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक युवक दिनेश पिता मुन्ना-लाल ग्वाला विवाहित होकर पत्नी और 2 बच्चों के साथ माता पिता से अलग रह रहा था।युवक खाना बनाने का काम करता था। ससुराल शहर के ग्वालटोली में थी। नीमच जिला चिकित्सालय में मृतक के शव का पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

फसल बुआई के विवाद में पीटा, 6 पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। फसल बुआई विवाद में मारपीट करने के मामले में पुलिस ने छह आरोपियों पर केस दर्ज किया। सरवानिया निवासी दशरथ पिता राजूलाल दायमा ने नारायणगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मैं पत्नी मीनाबाई, हंगामीबाई खेत पर फसल जुताई का कार्य कर रहे थे, इसी दौरान मेरे दोनों काका रोडमल व बंशीलाल पिता लाला दायमा आए और बोले हमारे खेत में बुआई क्यों कर रहे है, दोनों के साथ ही रोड़मल की पत्नी साबूबाई, बंशीलाल की पत्नी बलक्याबाई, रोडमल की पुत्री रीना, बंशीलाल की पुत्री कविता भी आ गई। सभी छह आरोपियों ने मिलकर हम तीनों के साथ मारपीट की, जिससे सिर, हाथ, पैर, कुल्हे पर चोंटे आई। पुलिस ने सभी आरोपियों पर केस दर्ज किया।

हल्की बारिश के बाद बादल... पेज 1 से जारी

ई. सुरेंद्रन ने बताया, मानसून ट्रफ थोड़ी नीचे आई है। एक लो प्रेशर सिस्टम बंगाल की खाड़ी से एक्टिव हुआ है। पश्चिमी राजस्थान पर बना चक्रवात मानसून ट्रफ के साथ विलीन हो गया है।गुजरात के ऊपर भी एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम है। इस वजह से तेज बारिश हो रही है। 19-20 जुलाई को बंगाल की खाड़ी में एक नया लो प्रेशर एरिया बनने की संभावना है, जिससे प्रदेश में तेज बारिश का दौर बना रहेगा।

तलाई वाले बालाजी पर प्रार्थना–अच्छी बारिश की कामना को लेकर तलाई वाले बालाजी मंदिर पर दो दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत मंगलवार से हुई। यहां पूर्व में शिवजी की प्रतिमा को भी जलमग्न कर दिया गया था। वर्षा के लिए धार्मिक अनुष्ठान व हनुमान चालिसा सहित पाठ का आयोजन भी किया जा रहा है।

✻ अंतिम यात्रा ✻

अत्यन्त दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि ठा. सा. नरेन्द्र सिंह जी चंद्रावत ठि.लसुडिया नाथी की धर्मपत्नी एवं ठाकुर

भानुप्रतापसिंह जी चन्द्रावत ,स्वर्गीय ठाकुर सुरेन्द्रसिंह जी की भाभी साहब एवम कुंवर दीपेंद्र सिंह चंद्रावत (दीपू बना) और कुंवर धर्मेंद्र सिंह चंद्रावत (बबलू बना) की पूजनीय माताजी,कुंवर जितेन्द्रसिंह चन्द्रावत, कुंवर शैलेंद्रसिंह चन्द्रावत, बबीतासिंह (चन्द्रावत) तोमर, कुंवर नाहर सिंह की बड़ी मम्मी होकम ठकुरानी सा. लसूडिया नाथी श्रीमती पारस कुंवर जी का स्वर्गवास आज दिनांक 16/7/24 को इंदौर में हो गया है। जिनका अंतिम संस्कार आज दिनांक 17/7/24 को उनके निज स्थान ठिकाना लसुड़िया नाथी में प्रात: 10.00 बजे किया जाएगा।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
चन्द्रावत परिवार ठिकाना
लसुड़िया नाथी जावरा

परिषद में ओपन नाले के टेंडर पर पार्षदों ने ली आपत्ति

मल्हारगढ़ नप अधिकारियो की पोल खोलता नाला, ओपन नाले के टेंडर पर फंसाए पाईप

मल्हारगढ़, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिले की मल्हारगढ़ नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 6 कुम्हारी मार्ग मे नाला निर्माण कार्य किया जा रहा है जिसके संबंध में आमजन व जनप्रतिनिधियों द्वारा शिकायत प्राप्त हुई।सांवरे कंट्रक्शन मल्हारगढ़ को पूर्व सीएमओ आरती गरवाल द्वारा नोटिस पहुंचाया गया जिसमें दर्शाया गया कि साँवरे कंस्ट्रक्शन द्वारा गुणवत्ताहीन करके घटिया कार्य किया जा रहा है एवं उक्त कार्य को तत्काल बंद कर निकाय को सूचित करें एवं आगामी आदेश तक गुणवत्ता की जांच होने तक कोई कार्य नहीं किया जावे।लेकिन उसके पश्चात भी साँवरे कंस्ट्रक्शन दवारा यह कार्य तेजी पर है,और वर्तमान सीएमओ एवं इंजीनियर की मिलीभगत से यह कार्य अभी तक किया जा रहा है जिस पर मल्हारगढ़ नगर परिषद के पांच पार्षदों द्वारा आपत्ति ली गई और मल्हारगढ़ नगर

परिषद में हंगामा मचाया।पार्षदों से मिली जानकारी के अनुसार यह बताया गया कि मल्हारगढ़ नगर परिषद के वार्ड 6 मे जो खुले नाले के संबंध मे डीपीआर बनाई गई उसमें सलिये का चच तो लिखा गया है, लेकिन जो बिल बनाया गया उसमें सीमेंट का एमएम तो दर्शाया गया लेकिन सलिये का एमएम नहीं लिखा गया और 17.800 किलोग्राम करके छोड़ दिया गया।इससे यह भ्रष्टाचारी सामने आ रही है कि कहीं ना कहीं इसमें वर्तमान सीएमओ राजेश गुप्ता ने 8एमएम का सरिया फिट कर 12 एमएम का बिल पास करवा दिया और लाखों रुपए अपनी जेब में डकार लिए!अब नाले को सही करने के लिए उनके बीच में पाइप लगा दिए गए ताकि सालिया क्रैक ना हो! कुछ भी डंपर के आने से इसका बचाव पाइप लगाकर कर दिया गया!ज़ब नाले को ओपन नाला टेंडर के रूप मे जाना गया तो फिर पाइप लगाकर बंद क्यों किया गया!मल्हारगढ़ के पूछते आमजन....?? गत दिवस पूर्व मल्हारगढ़ नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 6 के पार्षद राधा-दिनेश प्रजापति सहित वार्ड क्रमांक 8 के पार्षद सोनम-मनोज अठवाल, वार्ड क्रमांक 10 के पार्षद अनीता-विजय राठौर,वार्ड क्रमांक 01 के पार्षद शाइन बी-एहसान मेव,वार्ड क्रमांक 15 के पार्षद संगीता-हरीश साहू भी नाराज है।जिससे इन सभी ने मिलकर मल्हारगढ़ नगर परिषद में मचाया हंगामा।लेकिन अभी तक जनप्रतिनिधियों की सुनवाई नहीं हुई है,इस कार्य को लेकर यह भृष्ट अधिकारी मजे ले रहे हैं और जनप्रतिनिधि आमजन के लिए लड रहे हैं।लेकिन इनकी सुनवाई नहीं हो पा रही है।कहे तो अधिकारी मस्त है, आमजन व जनप्रतिनिधि त्रस्त है,क्या इन पर किसी की नजर नहीं जा रही है कार्रवाई नहीं हो पा रही है....!

मेडिकल कॉलेज के लिए पुलिस क्वाटर की भूमि आवंटित करने हेतु मांगी- पूर्व विधायक सिसोदिया

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर शहर के फोरलेन मार्ग पर दो भागों में बनकर तैयार हो रहे मेडिकल कॉलेज के मध्य में पूर्व से निर्मित पुलिस कॉलोनी के मकानों को हटाकर इस भूमि को मेडिकल कॉलेज को आवंटित किया जाना चाहिऐ क्योंकि पुलिस विभाग को एमआईटी कॉलेज के समीप मेडिकल कॉलेज के सामने पुलिस लाईन एवं नवीन भवन हेतु 21 बीघा भूमि आवंटित की जा चूकी है।

आवश्यकता है

दैनिक गुरु एक्सप्रेस

कार्यालय में ऑफिस बॉय की आवश्यकता है।

वेतन योग्यता अनुसार

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम
नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी संजीत मार्ग मंदसौर स्थित भवन क्रमांक EWS.A-145 जो श्री भगवतीलाल बिलोदिया पिता श्री सवाजी बिलोदिया को मण्डल आदेश क्रमांक 11566 दिनांक 30.09.1982 को आवंटित किया गया था। उक्त भवन का विक्रय विलेख दिनांक 07.09.2001 को उप पंजीयक कार्यालय मंदसौर में निष्पादित किया गया था । श्री भगवतीलाल बिलोदिया पिता श्री सवाजी बिलोदिया का स्वर्गवास दिनांक 04.09.2017 को हो जाने से इनकी पत्नी श्रीमती लक्ष्मीबाई बिलोदिया पति स्व. श्री भगवतीलाल बिलोदिया अपने एक मात्र पुत्र श्री अशोक कुमार बिलोदिया पिता स्व. श्री भगवतीलाल बिलोदिया की सहमति, नामजदगी एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण श्रीमती लक्ष्मीबाई बिलोदिया पति स्व. श्री भगवतीलाल बिलोदिया अपने नाम करवाना चाहती है।

अत : इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वितीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर भवन क्रमांक EWS.A-145 संजीत मार्ग मंदसौर का नामान्तरण श्रीमती लक्ष्मीबाई बिलोदिया पति स्व. श्री भगवतीलाल बिलोदिया के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास
मंडल संभाग–रतलाम (मप्र)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम
नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी किटियानी मंदसौर स्थित भवन क्रमांक LIG.II-311 श्री शांतिलाल मेडतवाल पिता श्री रामलाल मेडतवाल मण्डल आदेश क्रमांक 7321 दिनांक 02.06 1990 द्वारा आवंटित किया गया था। उक्त भवन का विक्रय विलेख दिनांक 16.12.2004 को उप-पंजीयक कार्यालय में पंजीयन निष्पादित करवाया गया था। श्री शांतिलाल मेडतवाल पिता श्री रामलाल मेडतवाल का स्वर्गवास दिनांक 15.01.2009 को हो जाने से इनकी पत्नी श्रीमती मन्नुबाई मेडतवाल पति स्व. श्री शांतिलाल मेडतवाल नामज़दगी एवं प्रस्तुत दस्तावेज आधार पर उक्त भवन का नामांतरण अपने नाम करवाना चाहती है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर भवन क्रमांक LIG.II-311 किटियानी मंदसौर का नामान्तरण श्रीमती मन्नुबाई मेडतवाल पति स्व. श्री शांतिलाल मेडतवाल के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास
मंडल संभाग–रतलाम (मप्र)

कार्यालय कलेक्टर जिला मंदसौर (म.प्र.) एवं पदेन उपसचिव मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग

ई.क्रमांक-549/रीडर/भू-अर्जन/2024

मंदसौर, दिनांक-09.07.2024
प्रकरण क्रमांक- 0004/अ-82/2024-25

✻✻✻✻✻✻ प्रारंभिक सूचना ✻✻✻✻✻✻

(अंतर्गत धारा 11 भूमि अर्जन पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन के उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013) (क्रमांक 30 सन 2013)

चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूचि क्रमांक 1 मंदसौर जिले में दाब युक्त सूक्ष्म एवं वृहत सिंचाई परियोजना के लिए आवश्यक वर्णित भूमि जिसका कृषकवार/व्यक्तिवार सर्वे क्रमांक विवरण अनुसूची (2) में उल्लेखित है। अतः भूमि अर्जन पुनर्वास और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (क्रमांक 30 सन 2013) की धारा 11 के अंतर्गत यह घोषित किया जाता है कि निम्न वर्णित अनुसूची (2) की भूमि अनुसूची (1) में अंकित सार्वजनिक प्रयोजनार्थ आवश्यकता है।

अनुसूची (1)

ग्राम टकरावद तहसील मल्हारगढ़ जिला मंदसौर

अर्जित की जाने वाली भूमि का रकबा हेक्टर में				
स.क्रं.	विवरण	सिंचित	असिंचित	कुल
	ग्राम टकरावद	0.874	----	0.874
	योग	0.874	----	0.874

अनुसूची (2)

उपखण्ड मल्हारगढ़ जिला मंदसौर में आने वाली निजी भूमि का विवरण

स.क्रं.	प्रभावित कृषक का नाम	खसरा नं.	कुल भूमि का रकबा (हे.में)	प्रभावित भूमि		
				सिंचित (हे.में)	असिंचित	कुल
1	2	3	4	5	6	7
1	तुलसीराम, दिनेश पिता भेरुलाल कुल्मी नि. ग्राम टकरावद, तहसील मल्हारगढ़	17/5	0.584	0.021	----	0.021
2	कुतुबद्दीन पिता नूर मोहम्मद पिंजारा नि. ग्राम टकरावद, तहसील मल्हारगढ़	17/6	0.589	0.190	----	0.190
3	कंवरलाल पिता रामचंद्र नायक नि. ग्राम टकरावद, तहसील मल्हारगढ़	20/11	0.073	0.005	----	0.005
4	गुलाम हुसैन पिता जलालुद्दीन पिंजारा नि. ग्राम टकरावद, तहसील मल्हारगढ़	626/1	0.211	0.090	----	0.009
5	रजाक मोहम्मद पिता जलालुद्दीन पिंजारा नि. ग्राम टकरावद, तहसील मल्हारगढ़	626/2	0.210	0.017	----	0.017
6	लक्ष्मीबाई बेवा भेरुलाल, तुलसीराम, दिनेश पिता भेरुलाल कुलमी नि. ग्राम टकरावद, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर	629/2	0.874	0.365	----	0.365
7	शंकरलाल पिता बापूलाल कुल्मी नि. ग्राम टकरावद, तहसील मल्हारगढ़	630	1.720	0.187	----	0.187.
	कुल योग	7	4.261	0.874	----	0.874

भूमि का नक्शा (प्लान) का अवलोकन कार्यालय भू अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी उपखण्ड मल्हारगढ़ के न्यायालय में देखा जा सकता है।

(दिलीप कुमार यादव)
कलेक्टर, जिला मंदसौर (म.प्र.)
एवं पदेन उप सचिव म.प्र. शासन राजस्व विभाग

G-13602/24

दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in